Teachers of Bihar
The Change Makers

दिवस ज्ञान

01 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार 01 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"विजय उनको मिलती है जो सर्वाधिक धैर्यपूर्वक कार्य करते हैं।"

–नेपोलियन बोनापार्ट

"Victory belongs to the most preserving."

-Napolean Bonapart

आज के दिन

1502– पुर्तगाल के नाविकों ने रियो–डि–जेनेरियो की खोज

1864– सर सैय्यद अहमद खाँ ने साइंटिफिक सोसाइटी का स्थापना किया।

1877– इंग्लैंड की महारानी विक्टोरिया भारत की साम्राज्ञी बनीं।

1915– महात्मा गांधी को दक्षिण अफ्रोका में 'केसर–ए–हिन्द' से सम्मानित किया गया।

1949– भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण

1955– भारतीय वैज्ञानिक शांति स्वरूप भट्नागर का निधन

1972– बाघ को राष्ट्रीय पशु घोषित किया गया।

1995– विश्व व्यापार संगठन अस्तित्व में आया।

2001– कलकत्ता का नाम आधिकारिक तौर पर कोलकाता हुआ।

1. **नववर्ष का स्वागत (Happy New Year)**– रोमन सम्राट जूलियस सीजर द्वारा तैयार किया गया कैलेण्डर का आज प्रथम दिन है। वर्ष 1582 में अष्टम पोप ग्रेगोरी ने जूलियन कैलेण्डर में सुधार करते हुए ग्रेगोरियन कैलेण्डर में भी 1 जनवरी को ही नया वर्ष घोषित किया था। कुछ लोग इसे 'ईसाई नववर्ष' भी कहते हैं क्योंकि इसका संबंध ईसाई धर्म और ईसा मसीह से है। ईसा मसीह के जन्म (25 दिसम्बर) के आठवें दिन यानी 1 जनवरी को नामकरण संस्कार के बाद उनका नाम "यीशु" प्राप्त हुआ। 1752 ई. से पहले ईस्वी सन् 25 मार्च से प्रारंभ होता था किन्तु 18वीं सदी से इसकी शुरूआत 1 जनवरी से होने लगी। भारत में भी ईस्वी सन् का प्रचलन अंग्रेजी शासकों ने 1752 ई. में किया था।
   - विशेष जानकारी हेतु पढें –**ज्ञान दृष्टि का 'कैलेण्डर' और 'समय' अंक**
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को नये कैलेण्डर के बारे में बतायें। उन्हें महीने और कैलेण्डर देखने के तरीके के बारे में बतायें।
   - **संदर्भः वर्ग 1 से 5 तक की गणित** की पाठ्यपुस्तक के **समय** पाठ से जोड़कर बतायें और गतिविधि करवायें।
   - **गतिविधि**– बच्चों को ग्रीटिंग कार्ड्स बनाना सिखायें।

2. **वैश्विक परिवार दिवस** (Global Family Day) – यह प्रतिवर्ष 1 जनवरी को मनाया जाता है। इसे 'विश्व शांति दिवस' भी कहा जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य दुनिया भर में सभी परिवारों को एक साथ मिलकर शांति और प्रेम से रहने और अच्छे समाज बनाने के लिए प्रेरित करना है। वर्ष 2001 से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इसे प्रतिवर्ष मनाने का फैसला किया।

3. **नागालैंड दिवस**– 1 दिसम्बर, 1963 ई. को नागालैंड को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया। इसकी राजधानी कोहिमा है। नागालैंड का राज्य दिवस 1 जनवरी को मनाया जाता है। वर्ष 1961 में नगाहिल त्वेनसांग का नाम बदलकर नागालैंड कर दिया गया।
   - **क्या आप जानते है?** नागालैंड का सबसे ऊँचा पर्वत शिखर सारामति (3840 मीटर) है। दोयांग, दीखों, झांझी, दीसाई, लैनियर आदि प्रमुख नदियां हैं। लेचाम यहां की प्रमुख झील है।
   - **संदर्भः** बच्चों को **रेडियंस भाग 3, पाठ 9** के संदर्भ में नागालैंड के बारे में बतायें। उनसे नागालैंड की भौगोलिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक जानकारियां जुटाने को कहें।

4. **सत्येन्द्र नाथ बोस का जन्म**– भारतीय वैज्ञानिक सत्येन्द्र नाथ बोस का जन्म 1 जनवरी, 1894ई. को कोलकाता में हुआ था। क्वांटम सांख्यिकी के जनक सत्येन्द्र नाथ बोस भारत के महान वैज्ञानिक थे जिनके नाम पर सांख्यिकी में प्रयुक्त होने वाले कणों के नाम 'बोसोन' रखा गया।

5. **दरभंगा जिला स्थापना दिवस**– बिहार के दरभंगा जिले का गठन ब्रिटिश शासन काल में 1 जनवरी, 1875 ई. को हुआ था। दरभंगा को मिथिला की राजधानी भी कहा जाता है। यह मिथिला संस्कृति और मिथिला चित्रकला का केन्द्र रहा है।

6. **रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) का स्थापना दिवस**– प्रत्येक वर्ष 1 जनवरी को डीआरडीओ अपना स्थापना दिवस मनाता है। इस संस्थान की स्थापना 1958ई0 में भारत को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मामले में मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के लिए की गयी थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। डीआरडीओ ने अग्नि और पृथ्वी मिसाइल श्रृंखला, हल्के लड़ाकू विमान, मल्टी बैरल रॉकेट लांचर, पिनाका वायु रक्षा प्रणाली, आकाश रडार जैसी स्वदेशी और ताकतवर प्रणालियां विकसित की है।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 1. 'दिवस ज्ञान विशेषांक 01 जनवरी 2025', 2. ज्ञान दृष्टि का 'कैलेण्डर' और 'समय' अंक

Teachers of Bihar
The Change Makers

दिवस ज्ञान

02 जनवरी

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार 02 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"यदि अवसर का लाभ न उठाया जाए, तो योग्यता का कोई मूल्य नहीं होता है।"

–नेपोलियन बोनापार्ट

"Ability is of little account without opportunity."

-Napolean Bonapart

आज के दिन

1839– फ्रांसीसी फोटोग्राफर लुई दागुएरे ने चाँद को पहली फोटो प्रदर्शित की।

1879– ऑस्ट्रेलिया के फ्रेड स्पोफोर्थ मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेले गए टेस्ट मैच मे हैट्रिक लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बने।

1906– विलिस कैरियर ने दुनिया के पहले एयर कंडीशनर के लिए अमेरिकी पेटेंट प्राप्त किया।

1. **भारत रत्न पुरस्कार की स्थापना**– 2 जनवरी, 1954 को तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के द्वारा दो नागरिक पुरस्कारों भारत रत्न तथा पद्म विभूषण की स्थापना की गई थी। 'भारत रत्न' भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान कला, साहित्य, विज्ञान या सार्वजनिक उद्यम के क्षेत्र में उत्कृष्ट राष्ट्रीय सेवा के लिए प्रदान किया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को अपने जीवन में कुछ अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करें। उन्हें भारत रत्न सम्मान से सम्मानित व्यक्तियों के बारे में बतायें।

2. **मौलाना मजहरूल हक का निधन**– मौलाना मजहरूल हक का जन्म बिहार के पटना जिले में 22 दिसम्बर, 1866 ई. को हुआ था। मौलाना मजहरूल हक एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक कार्यकर्ता, प्रखर शिक्षाविद् और लेखक थे। उन्होंने सन् 1917 के महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह में भाग लिया। हक ने असहयोग आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभायी थी। वे असहयोग आंदोलन, खिलाफत आंदोलन और होमरूल लीग आंदोलन के समर्थक भी रहे थे।
   - **संदर्भः** बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 3, अध्याय 12, पृष्ठ 200** के साथ जोड़कर बतायें।

3. **अलाउद्दीन खिलजी का निधन**– 2 जनवरी, 1316 ई. को अलाउद्दीन खिलजी का निधन दिल्ली में जलोदर रोग से हुई थी। अलाउद्दीन, खिलजी वंश का दूसरा शासक था। 1299 ई. में रणथम्भौर विजय, 1302 ई. में मेवाड़ विजय, 1307–08 में देवगिरि पर आक्रमण किया। 1305 ई. तक कश्मीर, नेपाल और असम को छोड़कर शेष पूरे उत्तर भारत पर अलाउद्दीन का आधिपत्य हो गया था। अलाउद्दीन ने सीरी नामक एक नए शहर की स्थापना भी करवाया था। मेहरौली (दिल्ली) में 'अलाई दरवाजा' का निर्माण भी करवाया। उसने 'सितार' वाद्ययंत्र का आविष्कार किया जो प्राचीन वीणा का एक परिवर्तित रूप था। उसने सस्ते बाजार का प्रबंध किया, जहाँ आवश्यकता की चीजें सस्ते मूल्य पर मिलती थी। कोई व्यापारी निर्धारित मूल्य से एक कौड़ी अधिक लेने का साहस नहीं कर सकता था। सभी वस्तुएं निर्धारित मूल्य पर ही बिकती थी। उसने सैनिक अफसरों की निजी सेना रखने की प्रथा समाप्त कर दी। सैनिकों को राजकोष से वेतन दिया जाने लगा। प्रांतों के हाकिम निर्धारित संख्या से कम घोड़े न रखे, इसके लिए अलाउद्दीन ने घोड़ों को दागने की प्रथा शुरू की थी।
   - **संदर्भः** बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 2, अध्याय 3** के संदर्भ में अलाउद्दीन खिलजी के बारे में बतायें।

4. **कवि जैनेन्द्र का जन्म** – कवि जैनेन्द्र का जन्म 2 जनवरी, 1905 ई. में अलीगढ़ के कौड़ियागंज गांव में एक मध्यम परिवार में हुआ था। इनके बचपन का नाम आनंदीलाल था। बाल्यावस्था में ही इनके पिता का देहान्त हो गया। इनकी शिक्षा जैन गुरूकुल ऋषि ब्रह्मचर्याश्रम, हस्तिनापुर से आरंभ हुई। मैट्रिक पास करने के बाद ये हिन्दू विश्वविद्यालय, काशी में दाखिला लिये। किन्तु महात्मा गाँधी के असहयोग आंदोलन में भाग लेने के क्रम में इनका पढ़ाई छुट गया। उन्हें आंदोलन में सक्रिय भाग लेने के कारण कई बार जेल भी जाना पड़ा। जैनेन्द्र बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। 'कल्याणी', 'परख', 'सुनीता', 'त्यागपत्र' आदि इनके प्रमुख उपान्यास हैं। 'एक रात', 'स्पर्धा', 'जय सन्धि', 'ध्रुव यात्रा', 'नीलम देश की राजकन्या', 'दो चिड़िया' आदि इनके प्रमुख कहानियां हैं। इसके अतिरिक्त जैनेन्द्र ने कुछ निबंध भी लिखे हैं। इन्हें पद्म भूषण पुरस्कार (1971 ई.) और साहित्य भूषण पुरस्कार (1979 ई.) से सम्मानित किया गया।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

03 जनवरी

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार 03 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"कथनी से करनी भली"

–लोकोक्ति

"Action Speaks louder than words."

-Anonymous

"कथनी थोथी जगत में,
करनी उत्तम सार।
कहैं कबीर करनी भली,
उतरै भोजन पार।।"

– कबीर

DIWAS GYAN

आज के दिन

1957– अमेरिका के पेनसिल्वेनिया में पहली बार हैमिल्टन वॉच कंपनी ने इलेक्ट्रॉनिक घड़ी प्रदर्शित की गई।

1968– भारत का पहला मौसम विज्ञान रॉकेट 'मेनका' का प्रक्षेपण किया गया।

1972– प्रसिद्ध लेखक व नाटककार मोहन राकेश का निधन

2002– भारत के प्रसिद्ध रॉकेट विज्ञानी सतीश धवन का निधन

2013– भारत के प्रसिद्ध वायलिन वादक एम. एस. गोपालकृष्णन का निधन

1. **सावित्रीबाई फुले का जन्म**– सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी, 1831 ई0 को महाराष्ट्र के नयागांव में हुआ था। सावित्रीबाई फुले भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, समाज सुधारिका एवं मराठी कवयित्री थीं। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे और माता का नाम लक्ष्मीबाई था। मात्र दस वर्ष की उम्र (1941 ई.) में ही उनका विवाह ज्योतिवाराव फुले से हुआ।

क्या थीं– सावित्रीबाई फुले भारत के पहले बालिका विद्यालय की पहली प्रिंसिपल और पहले किसान स्कूल की संस्थापक थीं। उनको महिलाओं और दलित जातियों को शिक्षित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। 1852 में उन्होंने बालिकाओं के लिए एक विद्यालय की स्थापना की। आज से 175 साल पहले बालिकाओं के लिए स्कूल खोलना पाप समझा जाता था।

एक बार सावित्रीबाई फुले के पिता ने उन्हें अंग्रेजी की किसी किताब के पन्ने पलटते देख लिया। वे दौड़कर आये और किताब हाथ से छीनकर घर से बाहर फेंक दी। इसके पीछे वजह यह थी की शिक्षा का हक केवल उच्च जाति के पुरूषों को ही है। दलित और महिलाओं को शिक्षा ग्रहण करना पाप समझा जाता था। बस उसी दिन वो किताब वापस लायीं और प्रण कर बैठीं कि कुछ भी हो जाए वो एक न एक दिन पढ़ना जरूर सीखेंगी।

क्या हुई– सावित्रीबाई फुले ने 1848 ई. में पुणे में अपने पति के साथ मिलकर विभिन्न जातियों की नौ छात्राओं के साथ एक विद्यालय की स्थापना की। सावित्रीबाई विधवा विवाह करवाने, छुआछूत मिटाने के क्षेत्र में भी कार्य किया। 28 जनवरी, 1853 ई. को गर्भवती बलात्कार पीड़ितों के लिए एक बाल हत्या प्रतिबंधक गृह की स्थापना की। सावित्रीबाई ने आत्महत्या करने जाती हुई एक विधवा ब्राह्मण महिला काशीबाई की अपने घर में डिलीवरी करवा उसके बच्चे यशवंत को अपने दत्तक पुत्र के रूप में गोद लिया। दत्तक पुत्र यशवंत राव को पाल–पोसकर इन्होने डॉक्टर बनाया। सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले ने 24 सितम्बर 1873 को सत्यशोधक समाज की स्थापना की। इस संस्था के द्वारा पहला पुनर्विवाह 25 दिसम्बर, 1873 ई. को कराया गया।

10 मार्च, 1897 ई. को प्लेग के कारण उनका निधन हो गया। प्लेग महामारी के दौरान वे मरीजों की सेवा करती थी। एक प्लेग संक्रमित बच्चे की सेवा करने के दौरान ये खुद संक्रमित हो गयीं और इनकी मृत्यु हो गयी। सावित्रीबाई फुले की जीवनी से अपने पथ पर चलते रहने की प्रेरणा मिलती है। उस दौर में वे न सिर्फ खुद पढ़ी, बल्कि दूसरी लड़कियों को भी पढ़ने का बंदोबस्त किया।

- **संदर्भः** सावित्रीबाई फुले की जीवनी **अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 130** के संदर्भ से जोड़कर बच्चों को बतायें।

प्रणाम का महत्व

प्रणाम विनयशीलता का प्रतीक है। जितने भी महापुरूष हुए हैं वे सब के सब पहले बालक थे, किशोर थे। अतः विद्यार्थियों को सोचना चाहिए कि जब इतने सारे बालक एवं किशोर महान हो सकते हैं तो हम क्यों नहीं? अब प्रश्न है कि महान बनने के लिए क्या करें? अपने माता–पिता एवं आचार्य को प्रतिदिन प्रणाम करें, उनकी आज्ञा का पालन करें, उनकी सेवा करें, उनके अनुकूल बनें। धर्मशास्त्रों में प्रणाम की महिमा को उजागर करते हुए लिखा गया है–

अभिवादनशीलस्य नित्यं वृद्धोपसेविनः।
चत्वारि तस्य वर्धन्ते आयुर्विद्या यशोबलम्।।

अर्थात् नित्य बड़ों को प्रणाम करने से, बड़े–बूढ़ों की सेवा करने से व्यक्ति की आयु, विद्या, यश और बल ये चारों चीज बढ़ते हैं।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

04 जनवरी

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार 04 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

''मनुष्य तब तक गलती करता है जब तक वह प्रयत्न करता है।''

–गोथे

"Man errs so long as he tries."

-Goethe

आज के दिन

1906– किंग जॉर्ज पंचम ने कलकत्ता (कोलकाता) के विक्टोरिया मेमोरियल हॉल की आधारशिला रखी थी।

1948– वर्मा (अब म्यांमार) ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।

1962– न्युयार्क शहर में पहली स्वचालित (मानवरहित) मेट्रो रेल चली।

1972– नई दिल्ली में 'इंडियन इंस्टिट्युट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंस' का उद्घाटन।

1994– मशहूर संगीतकार राहुल देव वर्मन का निधन

2010– दुबई में 824 मीटर ऊँची 168 मंजिलों वाली दुनिया की सबसे ऊँची इमारत बुर्ज खलीफा का उद्घाटन हुआ।

1. **अंतर्राष्ट्रीय ब्रेल दिवस**– ब्रेल एक स्पर्श लेखन प्रणाली है जो नेत्रहीन व्यक्तियों के लिए सृजित की गई थी। ब्रेल लिपि के जनक लुई ब्रेल का जन्म 4 जनवरी, 1809 ई. को ही फ्रांस के छोटे से गांव कुप्रे में एक मध्यम वर्गीय परिवार में हुआ था। लुई ब्रेल फ्रांस के शिक्षाविद् तथा अन्वेषक थे। विश्वभर में 04 जनवरी, 2019 को प्रथम बार विश्व ब्रेल दिवस मनाया गया था।
   - संदर्भः पर्यावरण और हम भाग 3 और विज्ञान भाग 3 पृष्ठ 152 के पाठ 12 के संदर्भ में बच्चों को लुई ब्रेल के जीवनी के बारे में बतायें।

2. **आइजक न्यूटन का जन्म**– आइज़क न्यूटन का जन्म 4 जनवरी, 1643 ई. को वुल्सथोर्प, लिंकनशायर, इंग्लैंड में हुआ था। न्यूटन ने प्रकृति के अनेक अनजाने रहस्यों को पता लगाया। उन्होंने बताया कि सूर्य का सफेद दिखने वाला प्रकाश वास्तव में सात रंगों से बना है। इन सात रंगों को प्रिज़्म की सहायता से अलग किया जा सकता है। न्यूटन ने गति के तीन नियम प्रतिपादित किये। उन्होंने गणित में कैलकुलस की नींव डाली। वे एक दार्शनिक भी थे। उन्होंने अपने जीवनकाल में कई पुस्तकें लिखी।
   - संदर्भः विज्ञान भाग 1 से 3 के कुछ अध्यायों से जोड़कर बच्चों को बतायें।

सुरक्षित शनिवारः शीतलहर

- सामान्यतः यदि तापमान 7°C से कम हो जाए तो इस शीतलहर की स्थिति माना जाता है।
- शीत लहर से बच्चे और वृद्ध के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

शीतलहर या ठंढ लगने पर व्यक्ति में निम्न लक्षण उत्पन्न होते हैं–

- शरीर का ठंढा होना एवं अंगों का सुन्न पड़ना।
- अत्याधिक कंपकपी या ठिठुरन होना।
- बार–बार जी मिचलाना या उल्टी होना।
- कभी–कभी अर्द्धबेहोशी की स्थिति अथवा बेहोश होना।

DIWAS GYAN

शीतलहर या ठंढ से बचने के उपाय

- अनावश्यक घर से बाहर न जायें और यथासम्भव घर के अंदर सुरक्षित रहें।
- यदि घर से निकलना जरूरी हो तो समुचित ऊनी एवं गर्म कपड़े पहनकर ही निकलें। बाहर निकलते समय अपने सिर, चेहरे, हाथ एवं पैर को भी उपयुक्त गर्म कपड़े से ढँक लें।
- समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें।
- शरीर में उष्मा का प्रवाह बनाये रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थ का सेवन करें।
- बन्द कमरों में जलती हुई लालटेन, दीया, कोयले की अंगीठी का प्रयोग करते समय धुएँ के निकास का उचित प्रबंध करें। प्रयोग के बाद इन्हे अच्छी तरह से बुझा दें।
- हीटर, ब्लोअर आदि का प्रयोग करने के बाद स्विच ऑफ करना न भूलें अन्यथा यह जानलेवा हो सकता है।
- राज्य सरकार शीतलहर के समय रात्रि में सार्वजनिक स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करती है, जिसका लाभ उठा कर शीतलहर से बचा जा सकता है।
- उच्च रक्तचाप एवं मधुमेह के मरीज तथा हृदय के रोगी चिकित्सक की सलाह जरूर लेते रहें तथा सामान्यता धूप उगने पर ही घर से बाहर निकलें।
- विशेष परिस्थिति में नजदीकी सरकारी अस्पताल से अविलम्ब चिकित्सा परामर्श लें।

Bagless Saturday Activity : मैं हूँ वैज्ञानिक (थीम)

आज बच्चों को भारत के प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के बारे में बतायें। विज्ञान प्रदर्श (Science Model) बनाने के लिए प्रेरित करें। विज्ञान आधारित वीडियो/फिल्म दिखायें। विज्ञान से संबंधित प्रश्नोत्तरी को भी आयोजन किया जा सकता है।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

05 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, षष्ठी तिथि, रविवार 05 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

''सुन्दरता आँखों को प्रभावित करती है।, परन्तु श्रेष्ठता आत्मा पर विजयी होती है।''

–अलेक्जेंडर पोप

"Charms strike the sight, but merit wins the soul."

-Alexander Pope

आज के दिन

1659– औरंगजेब व शाहशुजा के बीच इलाहाबाद के निकट खेजवा नामक स्थान पर युद्ध हुआ। शाहशुजा पराजित होकर अराकान भाग गया जहां उसकी मृत्यु हो गई।

1957– केन्द्रीय बिक्री कर अधिनियम प्रभाव में आया।

1971– सबसे पहला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया) में खेला गया।

2014– भारत में निर्मित भारतीय संचार उपग्रह 'जीसैट–14' का प्रक्षेपण स्वदेशी क्रायोजेनिक इंजन की पहली सफल उड़ान बनी।

1941– भारतीय क्रिकेटर और पटौदी के नौवें नवाब मंसूर अली खान पटौदी का जन्म।

1. **अमेरिका में राष्ट्रीय पक्षी दिवस–** अमेरिका के एवियन वेलफेयर कॉलीशन संस्था द्वारा पक्षियों के प्रति प्यार जताने के लिए यह दिवस मनाने की शुरूआत की गई थी। वर्तमान में विश्व के कई देश आज इस दिवस को मनाते हैं। चुंकि पारिस्थितिकी तंत्र में पक्षियों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। अतः पक्षियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए जागरूकता फैलाना आवश्यक है। पक्षियों के अवैध व्यापार, शिकार, जलवायु परिवर्तन और बीमारियों से होने वाले खतरों से जागरूक करने के लिए यह दिवस काफी महत्वपूर्ण है। भारत में राष्ट्रीय पक्षी दिवस 12 नवम्बर को मशहूर पक्षी विज्ञानी डॉ. सलीम अली के जन्मदिवस पर मनाया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें–** अपने आस–पास के चिड़ियाघरों की सैर करायें। बर्ड वाचिंग करें। विभिन्न प्रकार के पक्षियों की चोंच, पंजे, घोंसले, भोजन, अंडे आदि का अध्ययन करें।
   - **संदर्भ–** कक्षा 3 के **पर्यावरण अध्ययन** की पाठ्यपुस्तक की पाठ 4 **'रंग–बिरंगे पंख'** से जोड़ सकते हैं।

2. **मुगल शासक शाहजहाँ का जन्म–** मुगल वंश का पाँचवां शासक शाहजहाँ का जन्म 5 जनवरी, 1592 ई0 को लाहौर में हुआ था। उसके बचपन का नाम खुर्रम (आन्नददायक) था। उसके पिता का नाम जहाँगीर और माता का नाम ताज बीबी बिलकि़स मकानी था। 1612 ई. में शाहजहाँ का विवाह अर्जुमन्द बानो बेगम से हुआ था। इसे शाहजहाँ मलिका–ए–जमानी (मुमताज महल) की उपाधि प्रदान की थी। मुमताज महल से शाहजहाँ को 14 संतानें हुई थी जिनमें मात्र चार पुत्र और तीन पुत्रियां जीवित रह पायीं। 1631 ई. में मुमताज महल की मृत्यु प्रसव–पीड़ा से हुई थी, जिसकी स्मृति में शाहजहाँ ने 'ताजमहल' का निर्माण करवाया था। ताजमहल आज संसार के सात आश्चर्यो और युनेस्को संरक्षित विश्व धरोहरों में से एक है। शाहजहाँ का शासनकाल 'स्थापत्यकला का स्वर्णयुग' माना जाता है। शाहजहाँ द्वारा बनवायी गयी प्रमुख इमारतें दिल्ली का लालकिला, दिल्ली का जामा मस्जिद, आगरा का मोती मस्जिद, लाहौर का किला, नौलख महल, दीवान–ए–आम, दीवान–ए–खास आदि प्रमुख हैं। शाहजहाँ जिस रत्न जड़ित मयूर सिंहासन (तख्ते–ताऊस) पर बैठता था उसमें विश्व का सबसे महँगा 'कोहिनूर' हीरा जड़ा था। शाहजहाँ अपने समय का एक कुशल योद्धा था। दक्षिण भारत के तीन प्रमुख राज्यों अहमदनगर, गोलकुंडा तथा बीजापुर में से अहमदनगर पर 1633 ई. में मुगलों द्वारा कब्जा कर लिया। बीजापुर ने 1636 ई. तथा गोलकुंडा ने 1656 ई. में मुगल साम्राज्य की अधीनता स्वीकार कर ली और वे साम्राज्य को निश्चित सालाना हर्जाना देने लगे। परंतु ये दोनों राज्य मुगल साम्राज्य में शामिल नहीं किए जा सके।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 4 मुगल साम्राज्य अथवा पृष्ठ 74** के संदर्भ में बच्चों को बताया जा सकता है।

3. **कागज़ी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी किया–** यूरोप में पहली बार 1691ई. में कागज़ी मुद्रा स्वीडन के बैंक ने जारी किया था।
   - **क्या आप जानते हैं?** भारत की सबसे पहली कागजी मुद्रा कलकत्ता के बैंक ऑफ हिंदोस्तान ने 1770 में जारी की थी।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** आज आप बच्चों को विभिन्न नोटों के फीचर्स के बारे में चर्चा कर सकते हैं। उन्हें मुद्रा की कहानी भी बता सकते हैं।
   - **संदर्भः वर्ग 1 से 5 तक की गणित** के पाठ्यपुस्तक में **'मुद्रा'** पाठ से जोड़े। **NCERT की वर्ग दशम् की अर्थशास्त्र की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 3** से भी जोड़ सकते हैं।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 1. 'दिवस ज्ञान विशेषांक 05 जनवरी 2025', 2. ज्ञान दृष्टि का 'मुद्रा' अंक

website: https://www.teachersofbihar.org/publication/diwasgyan https://www.teachersofbihar.org/publication/gyandrishti

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

06 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, सोमवार 06 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"जब आप अपने भीतर बैठे अहंकार को मिटा देंगे तभी आपको वास्तविक शांति की प्राप्ति होगी।"

–गुरू गोविन्द सिंह

"The greatest comforts and lasting peace are obtained, when one eradicates selfishness from within."

-Guru Govind Singh

आज के दिन

1883– आधुनिक अरबी साहित्य के प्रसिद्ध लेखक, कवि और कलाकार खलील जिब्रान का जन्म

1885– 'आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह' माने जाने वाले भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का निधन

1884– आनुवंशिकी के खोजकर्ता ग्रेगोर जोहान मेण्डल का निधन

1. **विश्व युद्ध अनाथ दिवस**– यह दिवस युद्ध के परिणाम स्वरूप अनाथ हुए बच्चों की सामाजिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर पड़ने वाले प्रभाव, भोजन, स्वास्थ्य, वस्त्र, आवास, शिक्षा आदि की दुर्दशा पर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की शुरूआत एक फ्रांसीसी संगठन द्वारा की गई थी जिसका उद्देश्य संघर्ष से प्रभावित बच्चों की मदद करना है।

2. **ए. आर. रहमान का जन्म**– ए. आर. रहमान प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार हैं। ए. आर. रहमान गोल्डन ग्लोब पुरस्कार (2009) से सम्मानित होने वाले प्रथम भारतीय हैं। फिल्म स्लमडॉग मिलेनियर में संगीत के लिए दो ऑस्कर पुरस्कार जीतने वाले प्रथम भारतीय हैं। वर्ष 2000 में पद्म श्री और वर्ष 2010 में पद्म विभूषण से भारत सरकार ने सम्मानित किया।
   - विशेष जानकारी हेतु 'दिवस ज्ञान विशेषांक' अथवा 'दिवस प्रेरणा' पढ़ें।

3. **छत्रपति शिवाजी का सूरत पर हमला**– सन् 1661–63 तक मुगल फ़ौज ने शाइस्ता खाँ के नेतृत्व में छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्य को बहुत नुकसान पहुँचाया था। 6 जनवरी, 1664 ई. को शिवाजी ने सूरत पर हमला कर मुगल आक्रमण से हुए नुकसान की भरपाई के लिए लूटा। सूरत की लूट ने औरंगजेब को हैरान करके रख दिया। औरंगजेब ने इसके बाद राजपूत राजा जयसिंह को शिवाजी को काबू में करने के लिए भेजा जो अपने उद्देश्य में सफल रहा।
   - संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 9, पृष्ठ 151

4. **कपिलदेव का जन्म**– भारत के पूर्व किक्रेट खिलाड़ी कपिलदेव रामलाल निखंज का जन्म 6 जनवरी, 1959 ई. को चण्डीगढ़ में हुआ था। वर्ष 1983 के क्रिकेट विश्वकप में वे भारतीय क्रिकट टीम के कप्तान थे और उनके नेतृत्व में भारत ने पहली बार क्रिकेट विश्व कप जीतने का गौरव प्राप्त किया था। उन्होंने अपने खेल के कैरियर में 131 अंतर्राष्ट्रीय टेस्ट मैच तथा 225 एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच खेला। वर्ष 1999 में उन्हें भारतीय क्रिकेट टीम का कोच भी चुना गया। वर्ष 1979–80 के लिए अर्जुन पुरस्कार, 1982 ई. में पद्म श्री, 1991 ई. में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। कपिलदेव को उनके प्रदर्शन के लिए 'हरियाणा हरिकेन' का नाम दिया गया। उन्होंने 'स्ट्रेट फ्रॉम द हॉर्ट' नामक पुस्तक भी लिखा है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को कपिलदेव की लिखी पुस्तकें तथा आत्मकथा पढ़ने के लिए प्रेरित करें।

5. **ईसाई त्योहार एपीफेनी**– एपिफेनी एक ईसाई त्योहार है जो 6 जनवरी को यीशु मसीह के पास मागी की यात्रा और यीशु की बपतिस्मा की याद में मनाई जाती है। 'एपीफेनी' यूनानी शब्द है जिसका अर्थ है– प्रकटीकरण। इसे क्रिसमस उत्सव का 12वां और अंतिम दिन माना जाता है। इसे 'थ्री किंग्स डे' भी कहा जाता है।
   - विशेष जानकारी के लिए पढ़ें– 'दिवस ज्ञान विशेषांक 06 जनवरी 2025'

गुरूगोविन्द सिंह जयन्ती– गुरू गोविन्द सिंह जी सिक्खों के दसवें गुरू थे। उनका जन्म विक्रम संवत् 1723 पौष शुक्ल सप्तमी तद्नुसार 26 दिसम्बर, 1666 ई. को पटना में हुआ था। इनके पिता का नाम गुरू तेग बहादुर और माता का नाम गुजरी था। इनके बचपन का नाम गोविन्द राय था। खालसा पंथ में दीक्षित होने के बाद इन्होंने अपना नाम गोविन्द सिंह रखा। गुरू गोविन्द सिंह ने अनुभव किया कि उनके अनुयायियों में मतभेद है तथा उनमें मुगलों से युद्ध करने की न तो सामर्थ्य है और न ही साहस। उन्होंने अपने अनुयायियों को युद्ध करने की शिक्षा देना शुरू किया। गुरू के अनुयायी संत से सैनिक बन गये। सिक्खों को एक विशेष प्रकार की पोशाक पहननी पड़ती थी। सिक्ख अपने साथ सदैव पाँच वस्तुएँ– कड़ा, कंघा, कच्छा, केश और कृपाण रखते थे। उन्होंने कई पुस्तकों– जापु, चण्डी चरित्र, ज्ञान प्रबोध, हज़ार दे शबद आदि की रचनाएं भी की।

- संदर्भः बच्चों को **हमारी दुनिया भाग 1, पृष्ठ 92** के संदर्भ में गुरू गोविन्द सिंह जी के जीवनी और उपदेशों के बारे में बच्चों को बतायें।

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

07 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, मंगलवार 07 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"जिन ऊँचाइयों पर महान व्यक्ति पहुँचे और जहाँ उन्होंने अपने को स्थापित किया, किसी उड़ान द्वारा उपलब्ध नहीं हुई थी, बल्कि जब उनके साथी सो रहे होते थे, उस समय वे चढ़ने में कठिन श्रम कर रहे थे।"

– एच. डब्लु. लांगफेलो

"The heights by great man reached and kept, were not attained by sudden flight, but they, while their companions slept, were toiling upward in the night."

-H.W. Longfellow

आज के दिन

1710– हेनरी मिल द्वारा टाइपराइटर का पेटेंट किया गया।

1851– प्रसिद्ध इतिहासकार, अंग्रजी साहित्यकार तथा अन्वेषक जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन का जन्म

1859– अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर (द्वितीय) के खिलाफ अंग्रेजी हुकूमत ने सिपाही विद्रोह में शामिल होने के आरोप में मुकदमा शुरू किया।

1930– फ्रैन्शियम (Fr) नामक तत्व, (अणु संख्या 87) की खोज मार्गेट पियरे ने की।

1. **निकोला टेस्ला का निधन**– निकोला टेस्ला अपने समय के मशहूर वैज्ञानिक थे। उनका जन्म 10 जुलाई, 1856 ई. को क्रोएशिया देश में हुआ। टेस्ला ने प्रत्यावर्ती धारा का अविष्कार किया। बिना तार के बिजली भेजने का फॉमूला अर्थात् वायरलेस कम्युनिकेशन (wi-fi), रिमोट कंट्रोल, रेडियो ट्रांसमीटर और **फ्लोरोसेन्ट लैम्प** का अविष्कार भी टेस्ला ने किया था। अमेरिका के नियाग्रा फॉल पर पहला हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्लांट भी उन्हीं की देन है। उन्होंने एडिसन के साथ भी काम किया। निकोला टेस्ला अपने प्रयोग का पूर्ण विवरण डायरी में नहीं लिखते थे। उन्हें अपने स्मरण शक्ति पर ज्यादा भरोसा था। अतः 7 जनवरी, 1943 ई. में उनकी मौत के बाद उनके अधूरे कार्य रहस्य बन कर रह गये।
   - **संदर्भः** बच्चों को **विज्ञान भाग 1 के पाठ 14** में एडीसन के कहानी के साथ अथवा **विज्ञान भाग 2 के पृष्ठ 142 फ्लोरोसेन्ट लैम्प** के संदर्भ में बतायें।

दिवस प्रेरणा 7

इरफान खान

(भारतीय अभिनेता)

धनाभाव में क्रिकेट अकादमी में नामांकन नहीं हुआ ...

संघर्ष

वे बचपन में क्रिकेट खेलने में काफी अच्छे थे। उनका सेलेक्शन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में हुआ था लेकिन धनाभाव के कारण वे भाग नहीं ले सके। उन्होंने नई दिल्ली में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय में अभिनय में प्रशिक्षण प्राप्त किया। इरफान खान अपनी एक्टिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुंबई चले गए और यहाँ आकर इन्होंने फिल्मों में काम खोजना शुरू किया। इरफान के करियर के शुरुआती दिन काफी संघर्ष भरे थे। इन्हें फिल्मों की जगह टी.वी सीरियल में छोटे मोटे रोल मिलते थे और इस तरह से इनके करियर की शुरुआत बतौर एक जूनियर एक्टर से हुई थी।

सफलता

उन्होंने बॉलीवुड फिल्मों जैसे अंग्रेजी मिडियम, हिन्दी मिडियम, द लंच बॉक्स, मदारी, पीकू, बिल्लू बारबर, पान सिंह तोमर, मक़बूल, पार्टीशन, के साथ–साथ हॉलीवुड फिल्मों जैसे स्लमडॉग मिलिनेयर, लाइफ ऑफ पाई, द अमेजिंग स्पाइडर मैन आदि में भी काम किया था। वर्ष 2011 में उन्हें भारत सरकार द्वारा 'पद्म श्री' से सम्मानित किया गया। 'पान सिंह तोमर' में अभिनय के लिए उन्हें वर्ष 2012 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार प्रदान किया गया था। वर्ष 2017 में प्रदर्शित फिल्म 'हिंदी मिडियम' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता चुना गया था।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

08 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, नवमी तिथि, बुधवार 08 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"जिन्दगी साइकिल चलाने जैसी है। बैलेंस बनाए रखने के लिए, आपको चलते रहना होता है।"
–अल्बर्ट आइंस्टीन

"Life is like riding a bicycle, to keep your balance you must keep moving."
-Albert Einstein

आज के दिन

1642– इटली के प्रसिद्ध खगोलशास्त्री और विद्वान गैलीलियो गैलीले के निधन।

1790– अमेरिका के प्रथम राष्ट्रपति जॉर्ज वाशिंगटन ने पहली बार देश को सम्बोधित किया।

1884– केशवचन्द्र सेन का निधन। वे एक प्रसिद्ध धार्मिक एवं सामाजिक सुधारक, जो ब्रह्म समाज के संस्थापकों में से एक थे।

1890– हिन्दी साहित्यकार रामचन्द्र वर्मा का जन्म।

1912– अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस का गठन।

1935– ए.ए.सी. हार्डी ने स्पेक्ट्रोमीटर का पेटेंट कराया।

1952– जॉर्डन ने संविधान अंगीकार किया।

1984– पहली भारतीय महिला पायलट सुषमा मुखोपाध्याय का निधन

1. **सोमनाथ मंदिर पर मुहम्मद ग़ज़नवी का हमला**– सोमनाथ मंदिर पर 8 जनवरी, 1026 ई. को मुहम्मद ग़ज़नवी ने करीब 5000 साथियों के साथ हमला कर उसे ध्वस्त कर दिया था। इस हमले में ग़ज़नवी ने मंदिर की संपत्ति लूटी और हजारों लोग मारे गये थे। माना जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 7वीं शताब्दी में चंद्रदेव ने भगवान शिव की पूजा के लिए करवाया था। तभी से यह सोमनाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर गुजरात में समुद्र तट पर स्थित है।
   - **संदर्भ:** बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 2, पृष्ठ 28** के संदर्भ में विशेष रूप से सोमनाथ मंदिर के इतिहास के बारे में बतायें।

2. **बोरेक्स की खोज**– 'सोने पर सुहागा' कहावत तो आपने सुना होगा। डॉ. जॉन वीच ने 8 जनवरी, 1856 ई. को 'बोरेक्स' की खोज की थी। बोरेक्स को आयुर्वेद में टंकण भस्म, रासायनिक भाषा में हाइड्रेटेड सोडियम बोरेट तथा व्यापारिक भाषा में सुहागा के नाम से जाना जाता है। इसका रासायनिक सूत्र $Na_2B_4O_7 \cdot 10H_2O$ है। यह एक क्रिस्टलीय ठोस पदार्थ है। यह बाजार में प्रायः मुलायम सफेद पाउडर के रूप में मिलता है जो पानी में आसानी से घुल जाता है। बोरेक्स कठोर जल को मृदु कर सकता है।यह सोना गलाने तथा औषधि के काम में आता है। इसका उपयोग रूसी, मुँहासे और फुंसियों के इलाज के लिए भी किया जाता है। बोरेक्स दाग, फफूंद और फफूंदी को हटाने में मदद कर सकता है। यह चींटियों जैसे कीटों को मार भी सकता है। इसका उपयोग कपड़े धोने के डिटर्जेंट और घरेलू क्लीनर में गंदगी को हटाने और चमकाने के लिए भी किया जाता है। सुहागा तिब्बत, पेरू, कनाडा, अर्जेंटिना, चिली, इटली, रूस, लद्दाख और क'श्मीर में बहुत मिलता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को बोरेक्स के भौतिक तथा रासायनिक गुण और उपयोग बतायें।

3. **स्टीफन हाकिंग का जन्म**– विश्व प्रसिद्ध भौतिकविद् और ब्रह्मांड विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग का जन्म 8 जनवरी, 1942 ई. को ऑक्सफोर्ड, इंग्लैंड में हुआ था। वे युवावस्था में ही चलने फिरने से लाचार हो गये। उन्होंने **ब्लैक होल और बिग–बैंग सिद्धान्त** को समझने में अहम योगदान दिया। स्टीफन को दुनिया के शीर्ष वैज्ञानिकों में से एक माना जाता है। इनकी प्रसिद्ध पुस्तक 'अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ टाइम' सर्वाधिक चर्चित रही। इन्हें वर्ष 1978 में अल्बर्ट आइंस्टीन पुरस्कार, वर्ष 2009 में प्रसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम पुरस्कार तथा वर्ष 2012 में विशिष्ट मूलभूत भौतिकी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को स्टीफन हॉकिंग के जीवनी पर बनी **फिल्म 'द थ्योरी ऑफ एवरीथींग'** दिखायें। उच्च कक्षा के बच्चों को बिग–बैंग थ्योरी के बारे में बतायें।

4. **आशापूर्णा देवी का जन्म**– प्रसिद्ध बांग्लाभाषी कवियित्री और उपन्यासकार आशापूर्णा देवी का जन्म 8 जनवरी, 1909 ई. को कोलकाता में हुआ था। वे ज्ञानपीठ पुरस्कार (1976ई. में) प्राप्त करने वाली प्रथम महिला थी। उनकी कृतियों में पारिवारिक जीवन की समस्याएं, नारी स्वतंत्रता, सामाजिक कुंठा आदि उजागर होती है। उन्हें पद्म श्री (1976), टैगोर पुरस्कार (1964), साहित्य अकादमी पुरस्कार (1994) आदि सम्मान से भी नवाजा गया।

5. **पृथ्वी घुर्णन दिवस**– 1851 ई. में फ्रांसीसी भौतिकी विज्ञानी लियोन फौकॉल्ट ने यह साबित कर दिखाया कि पृथ्वी अपने अक्ष पर घुमती है। अपने सिद्धांत को प्रदर्शित करने के लिए, फौकॉल्ट ने सीसे से भरे पीतल के गोले को, जिसे फौकॉल्ट पेंडुलम के नाम से जाना जाता है, पेरिस के पैंथियन के ऊपर लटका दिया। पेंडुलम के घूमने का तल पृथ्वी के घूर्णन के सापेक्ष घूमता है।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 'दिवस ज्ञान विशेषांक 08 जनवरी 2025'

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

09 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, दशमी तिथि, गुरूवार 09 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"मनुष्य के लिए जीवन में सफलता का रहस्य हर आने वाले अवसर के लिए तैयार रहना है।"

–डिजरायली

आज के दिन

1431– फ्रांस में 'जॉन ऑफ आर्क' के विरूद्ध मुकदमे की शुरूआत।

1768– फिलिप एस्टले ने पहले 'मार्डन सर्कस' का प्रदर्शन किया।

1816– सर हम्फ्री डेवी ने खदान कर्मियों के लिए पहले 'डेवी सेफ्टी लैम्प' का परीक्षण किया।

1873– नेपोलियन बोनापार्ट तृतीय का निधन

1889– ऐतिहासिक उपन्यासकार और निबन्धकार वृंदालाल वर्मा का जन्म।

1918– रेड इंडियनों और अमेरिकी सैनिकों के बीच 'भालू घाटी का युद्ध' हुआ।

1946– भारतीय संविधान सभा ने संविधान बनाने का कार्य शुरू किया।

1960– मिस्त्र के नील नदी पर अस्वान बांध का निर्माण प्रारंभ।

1982– पहला भारतीय वैज्ञानिक दल अंटाकर्टिका पहुँचा।

1. **हरगोविन्द खुराना का जन्म**– हरगोविन्द खुराना, वर्ष 1968 का चिकित्सा विज्ञान का नोबल पुरस्कार से सम्मानित भारतीय अमेरिकी वैज्ञानिक का जन्म अविभाजित भारत में मुल्तान जिले (पंजाब) में हुआ था। पंजाब विश्वविद्यालय से सन् 1943 में स्नातक करने के पश्चात् 1945 में रसायन विज्ञान से स्नातकोत्तर की परीक्षा पास की। भारत सरकार से छात्रवृति प्राप्त कर इंग्लैंड गए। सन् 1948 में उन्हें डाक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई। उन्होंने दिल्ली और बेंगलुरू सहित देश के कई प्रयोगशालाओं में नौकरी के लिए आवेदन दिया किंतु काम न मिला। इससे उन्हें निराशा हुई।

   सन् 1960 में डॉ0 खुराना अमेरिका चले गये। अमेरिका में उन्होंने विस्कॉसिन विश्वविद्यालय के एंजाइम शोध संस्थान के सहायक निदेशक नियुक्त हुए। आगे चलकर वे संस्थान के महानिदेशक भी बने। डॉ0 खुराना ने एंजाइम शोध संस्थान में रहते हुए प्रोटीन संश्लेषण में जेनेटिक कोड की भूमिका पर शोध किया। उनका यह शोध बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हुआ, जिस पर उन्हें वर्ष 1968 का चिकित्सा विज्ञान का नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ। सन् 1969 में डॉ0 खुराना भारत आए। उस समय भारत सरकार ने उन्हें पद्म भूषण से अलंकृत किया।

   - **बच्चों को क्या बतायें?** हरगोविन्द खुराना की जीवनी के प्रेरक प्रसंग बच्चों को बताएं।

2. **प्रवासी भारतीय दिवस**– लगभग 20 वर्षों के विदेश प्रवास के बाद महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से 9 जनवरी, 1915 ई. को स्वदेश वापस लौटे थे। इस स्मृति में भारत सरकार द्वारा 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है। महात्मा गांधी को सबसे बड़ा प्रवासी माना जाता है जिन्होंने दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के ऊपर हो रहे नस्लवादी अन्याय, भेदभाव और हीनता को देखकर उन्होने अन्याय के खिलाफ विरोध प्रारम्भ कर दिया। उन दिनों भारत से दक्षिण अफ्रीका पहुँचे मजदूरों और व्यापारियों को मत देने का अधिकार नहीं था तथा उन्हें पंजीकरण कराना होता था। उनको गंदी बस्तियों में रहना होता था जो उनके लिए निर्धारित थी। गांधी जी इन स्थितियों में विरोध में चलने वाले संघर्ष के शीघ्र ही नेता बन गये। प्रत्येक दो वर्ष पर प्रवासी भारतीय दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 142** के संदर्भ में बच्चों को बताएं।

3. **सुंदरलाल बहुगुणा का जन्म**– पर्यावरण की सुरक्षा में अपना जीवन समर्पित करने वाले सुंदरलाल बहुगुणा का जन्म 9 जनवरी, 1927 को उत्तराखण्ड के टिहरी में हुआ था। उन्होंने लोगों के बीच पर्यावरण सुरक्षा का संदेश फैलाया। चिपको आंदोलन के कारण वे विश्वभर में वृक्षमित्र के नाम से प्रसिद्ध हो गए। भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2009 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया।

   - **संदर्भः** बच्चों को **विज्ञान भाग 3 पाठ 12** के संदर्भ में बतायें।

4. **वृंदावनलाल वर्मा का जन्म**– वृंदावनलाल वर्मा का जनम् 9 जनवरी 1889ई. को उत्तरप्रदेश के झाँसी जिले के मऊरानीपुर में हुआ था। वे प्रसिद्ध हिन्दी नाटककार तथा उपन्यासकार थे। पौराणिक तथा ऐतिहासिक कथाओं के प्रति बचपन से ही इनकी रुचि थी। इनकी प्रसिद्ध रचनाओं में 'झांसी की रानी' (उपन्यास), 'मृगनयनी' (उपन्यास), मेढ़क का ब्याह (कहानी), पूर्व की ओर (नाटक) आदि प्रमुख है। इनके उत्कृष्ट साहित्यिक कार्य के लिये इन्हें 'साहित्य वाचस्पति' की उपाधि से विभूषित किया गया। भारत सरकार द्वारा इन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया गया। भारत सरकार ने इनके उपन्यास 'झांसी की रानी' को पुरस्कृत भी किया है। इनके सम्मान में भारत सरकार ने दिनांक 9 जनवरी, 1997 को एक डाक टिकट भी जारी किया था। इनके द्वारा लिखित सामाजिक उपन्यास 'संगम' और 'लगान' पर आधारित हिन्दी फिल्में भी बनी है जो अन्य कई भाषाओं में अनुदित हुयी हैं।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 'दिवस ज्ञान विशेषांक 09 जनवरी 2025'

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

10 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, पुत्रदा एकादशी, शुक्रवार 10 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अगर आप सूर्य की तरह चमकना चाहते हैं तो आपको पहले सूर्य की तरह जलना होगा।"

–ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

आज के दिन

1615– ब्रिटिश राजदूत सर थॉमस रो ने अजमेर में जहांगीर से मुलाकात की। सर थॉमस रो को मुगल दरबार में पहला अंग्रेज राजदूत नियुक्त किया गया।

1836– प्रोफेसर मधुसूदन गुप्ता ने अपने चार छात्रों के साथ मिलकर पहली बार मानव भारीर का विच्छेदन कर आंतरिक संरचना का अध्ययन किया।

1863– दुनिया की सबसे पहली भूमिगत रेल का उद्घाटन। यह रेल लंदन की पैडिंग्टन और फैरिंग्टन स्ट्रीट के बीच चलायी गई थी।

1920– राष्ट्रसंघ की स्थापना

1974– भारतीय फिल्म अभिनेता ऋतिक रोशन का जन्म

2008– टाटा कंपनी ने नई दिल्ली में विश्व की सबसे सस्ती कार 'नैनो' लांच किया था।

1. **विश्व हिन्दी दिवस**– विश्व हिन्दी दिवस प्रतिवर्ष 10 जनवरी को मनाया जाता है। विश्व हिन्दी दिवस का उद्देश्य विश्वभर में हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करना है और हिन्दी को अंतर्राष्ट्रीय भाषा के रूप में पेश करना है। विश्व हिन्दी दिवस मनाने की शुरूआत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ0 मनमोहन सिंह ने 10 जनवरी, 2006 को किया था। पहला विश्व हिन्दी सम्मेलन नागपुर में 10–14 जनवरी 1975 को आयोजित किया गया था।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को हिन्दी के महत्व के बारे में निबंध लेखन अथवा भाषण करवाएं।

2. **ताशकन्द समझौता पर हस्ताक्षर**– अगस्त, 1965 के पहले सप्ताह में पाकिस्तान के 30–40 हजार सैनिकों ने कश्मीर से लगी भारतीय सीमा में घुसने के लिए 'ऑपरे"ान जिब्राल्टर' चलाया था। भारत को पाकिस्तान के इस चाल की जानकारी लग गई और 1965 में दोनों देशों के बीच युद्ध छिड़ गया। 10 सितम्बर, 1965 की रात को भारत ने पाकिस्तान पर ऐसा जबरदस्त हमला किया कि पाकिस्तानी सेना अपनी 25 तोपों को छोड़कर भाग गयी। भारतीय सेना के हवलदार वीर अब्दुल हमीद ने पाकिस्तान के कई टैंक बर्बाद कर दिये। युद्ध विराम के लिए सोवियत संघ ने जनवरी 1966 के पहले हफ्ते में समझौते की शर्तों पर विचार करने के लिए भारत और पाकिस्तान को ताशकंद में बुलाया। भारत को सिर्फ सोवियत संघ पर ही भरोसा था। ताशकंद, उज्बेकिस्तान में आता है और उस समय सोवियत संघ का हिस्सा था।

   10 जनवरी, 1966 की तारीख को युद्ध विराम के लिए भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तान के राष्ट्रपति अयूब खान ने ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर किये। इसके पश्चात् भारत–पाकिस्तान के बीच 1965 ई. की जंग समाप्त हुई।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को मानचित्र पर ता"ाकंद की भौगोलिक अवस्थिति पता करने को कहें।
   - भारतीय सेना के हवलदार **वीर अब्दुल हमीद** की वीरता की कहानी बताये या पढ़ने को कहें।

3. **सीमेंट का आविष्कार**– सन् 1824 में इंग्लैंड के एक मिस्त्री, जिसका नाम जोसेफ एस्पडिन था, ने पोर्टलैंड पत्थर का प्रयोग कर सीमेंन्ट का निर्माण किया। यह सीमेन्ट स्लेटी रंग का पाउडर होता है जो नमी या पानी के सम्पर्क में आकर पत्थर जैसा कड़ा हो जाता है। सीमेन्ट बनाने के लिए कच्चे माल के रूप में कैल्शियम, सिलिकॉन, लोहा और ऐलुमिनियम का उपयोग होता है। चुना पत्थर के अंदर कैल्शियम होता है और सिलिकॉन, लोहा और ऐलुमिनियम रेत के अंदर होता है। फिर इनको साफ करके अच्छी तरह पीसा जाता है और एक पाउडर तैयार किया जाता है। आमतौर पर चूनापत्थर और रेत का अनुपात 80:20 होता है।। फिर इस चूर्ण को 1500 डिग्री सेल्सियस पर गर्म किया जाता हैं। रासायनिक प्रतिक्रिया के फलस्वरूप सीमेंन्ट का निर्माण होता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों से पूछें कि पक्का घर बनाने में किन–किन चीजों का इस्तेमाल होता है। सीमेंट का इस्तेमाल और कहाँ–कहाँ किया जाता है?

4. **राष्ट्र संघ की स्थापना**– राष्ट्र संघ एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन था, जिसका मुख्यालय जिनेवा, स्विटजरलैंड में था। इसका गठन प्रथम विश्व युद्ध के बाद 10 जनवरी, 1920 ई. को अंतर्राष्ट्रीय विवादों को सुलझाने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए बनाया गया था। बाद में 24 अक्टूबर, 1945 ई. को जब संयुक्त राष्ट्र चार्टर अस्तित्व में आने आया। इसके बाद अप्रैल 1946 में, 46 सदस्य देशों में से 35 ने जिनेवा में बैठक कर राष्ट्र संघ के विघटन को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी। इस प्रकार राष्ट्र संघ समाप्त हो गया।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

11 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, द्वादशी–त्रयोदशी तिथि, शनिवार 11 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"जीवन में पहली सफलता के बाद रूके नहीं, क्योंकि यदि आप दूसरे प्रयास में असफल हो गये, तो लोग यही कहेंगें कि आपकी पहली सफलता भाग्य की वजह से मिली।"

–ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

आज के दिन

1569– इंग्लैंड में पहली लॉटरी की शुरूआत हुई।

1613– मुगल बादशाह जहांगीर ने ईस्ट इंडिया कंपनी को सूरत मे फैक्ट्री लगाने की इजाजत दी।

1922– कनाडा के वैज्ञानिक और चिकित्सक फ्रेडरिक बैंटिग ने मधुमेह के इलाज के लिए मरीज को पहली बार इंसुलिन दी थी।

1954– बाल मजदुरी के खिलाफ आवाज उठाने वाले नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी का जन्म

1955– भारत में अखबारी कागज का उत्पादन प्रारंभ हुआ।

1972– पूर्वी पाकिस्तान का नाम आधिकारिक तौर पर बांग्लादेश रखा गया।

1. **लाल बहादुर शास्त्री स्मृति दिवस**– लाल बहादुर शास्त्री भारत के दूसरे प्रधानमंत्री थे। वह 9 जून, 1964 ई. से 11 जनवरी, 1966 ई. को अपनी मृत्यु तक लगभग अठारह महीने भारत के प्रधानमंत्री रहे। उनके प्रधानमंत्रीत्व काल में वर्ष 1965 में भारत–पाक युद्ध शुरू हो गया। भारत के तेवर को देखते हुए अमेरिका ने लाहौर में रह रहे अमेरिकी नागरिकों को निकालने के लिए कुछ समय के लिए युद्ध विराम की मांग की। रूस और अमेरिका के चहलकदमी के बाद भारत के प्रधानमंत्री को रूस के ताशकंद में समझौता के लिए बुलाया गया। शास्त्री जी ने ताशकंद समझौते की हर शर्तों को मंजूर कर लिया मगर पाकिस्तान में जीते इलाकों को लौटाना हरगिज स्वीकार नहीं था। अंतर्राष्ट्रीय दबाव में शास्त्री जी को ताशकंद समझौते पर हस्ताक्षर करना पड़ा। 10 जनवरी, 1966 ई. को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अयुब खान के साथ युद्ध विराम पर हस्ताक्षर करने के कुछ ही घंटों के बाद रात करीब 1:30 बजे लाल बहादुर शास्त्री को दिल का दौरा पड़ा। उनकी वहीं मृत्यु हो गई। ताशकन्द में समझौते की रात भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के निधन ने कई सवाल खड़े कर दिये। वर्ष 1966 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत–रत्न से नवाजा गया। शास्त्री जी की अन्त्येष्टि पूरे राजकीय सम्मान के साथ दिल्ली में यमुना नदी के किनारे किया किया गया। उस स्थल को विजय घाट का नाम दिया गया।

   - **बच्चों को क्या दिखायें?** संभव हो तो देखें और दिखाएं– **फिल्म 'द ताशकंद फाइल्स'।**

2. **मानव तस्करी जागरूकता दिवस**– संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रतिवर्ष 11 जनवरी को मानव तस्करी जागरूकता दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मकसद मानव तस्करी और आधुनिक दासता के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उसका विरोध करना है। इस दिवस को मनाने की परम्परा वर्ष 2007 में, अमेरिकी कांग्रेस ने शुरू किया था। मानव तस्करी में बलपूर्वक श्रम, यौन शोषण, और अनैच्छिक दासता, पीड़ितों की दुर्दशा के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनके अधिकारों को बढ़ावा देना है।
   वैसे विश्वभर में मानव तस्करी विरोधी दिवस 30 जुलाई को मनाया जाता है। भारत में भी भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 (1) के तहत मानव या व्यक्तियों की तस्करी प्रतिबंधित है। अनैतिक व्यापार (रोकथाम) अधिनियम, 1956 (आईटीपीए) वाणिज्यिक यौन शोषण के लिए तस्करी की रोकथाम के लिए प्रमुख कानून है।

3. **कैलाश सत्यार्थी का जन्म**– कैलाश सत्यार्थी का जन्म मध्यप्रदेश के विदिशा में 11 जनवरी 1954 ई. को हुआ था। विदिशा से ही विद्युत इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद बच्चों के लिए काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने 1980 में बचपन बचाओ आन्दोलन की स्थापना की। उन्हें वर्ष 2006 में संयुक्त राष्ट्र का फ्रीडम पुरस्कार, वर्ष 2007 में इटली के सिनेट का स्वर्ण पदक, वर्ष 2009 में अमेरिका का लोकतंत्र रक्षक पुरस्कार, वर्ष 2014 का नोबेल शान्ति पुरस्कार (पाकिस्तान की नारी शिक्षा कार्यकर्ता मलाला युसुफजई के साथ सम्मिलित रूप से), वर्ष 2015 में हार्वर्ड विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित 'ह्युमेनीटेरियन पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया है। इस समय वे 'ग्लोबल मार्च अगेंस्ट चाइल्ड लेबर' (बाल श्रम के खिलाफ वैश्विक अभियान) के अध्यक्ष हैं।

4. **फर्रूखसियर का राज्यारोहण**– 11 जनवरी 1713 ई. को मुगल बादशाह 'फर्रूखसियर' राजगद्दी पर बैठा। सुल्तान ने अब्दुल्ला खां को 'वजीर' और हुसैन अली खां को 'मीर बख्शी' नियुक्त कर दिया। फर्रूखसियर एक दुर्बल, कायर और निन्दित सम्राट था। इसलिये इसे मुगल वंश का घृणित कायर सम्राट' कहा जाता है।

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

12 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी तिथि, रविवार 12 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

''खुद पर विश्वास करो। सारी शक्तियां तुम्हारे भीतर ही है।''

–स्वामी विवेकानंद

आज के दिन

1708– छत्रपति शाहू जी को मराठा शासक का ताज पहनाया गया।

1598– राजमाता जीजाबाई का जन्म बुलढ़ाणा शहर में हुआ।

1869 – 'भारत रत्न' सम्मानित स्वतंत्रता सेनानी, समाज सेवी और शिक्षा शास्त्री भगवान दास का जन्म

1899 – भारत के प्रसिद्ध गणितज्ञ बद्रीनाथ प्रसाद का जन्म

1958 – भारतीय सिनेमा में हिंदी फिल्म और टीवी अभिनेता अरुण गोविल का जन्म

1950– स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 12 जनवरी 1950 को 'संयुक्त प्रांत' का नाम बदलकर 'उत्तर प्रदेश' रखा गया।

2009– प्रसिद्ध संगीतकार ए. आर. रहमान प्रतिष्ठित गोल्डन ग्लोब पुरस्कार जीतने वाले पहले भारतीय बने।

1. **राष्ट्रीय युवा दिवस**– भारत सरकार ने वर्ष 1984 से स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन, 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाने के निर्णय किया। स्वामी विवेकानन्द वेदान्त के विख्यात और प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरू थे। उनका जन्म 12 जनवरी, 1863 ई. को कलकत्ता में हुआ था। उनका वास्तविक नाम नरेन्द्रनाथ दत्त था। उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो में सन् 1893 में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था। वे रामकृष्ण परमहंस के सुयोग्य शिष्य थे। उन्होंने रामकृष्ण मिशन की स्थापना की थी। वे केवल सन्त ही नहीं, बल्कि एक महान देशभक्त, वक्ता, विचारक, लेखक और मानव प्रेमी थे।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 135,** स्वामी विवेकानन्द के संदर्भ में बच्चों को बताएं।
2. **क्रांतिकारी सूर्यसेन को चटगांव में फाँसी**– 12 जनवरी, 1934 ई. को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रांतिकारी सूर्यसेन को चटगांव (वर्तमान बांग्लादेश) में फाँसी दी गई। उन्होंने इंडियन रिपब्लिकन आर्मी की स्थापना की और चटगांव विद्रोह का सफल नेतृत्व किया था। वे नेशनल हाईस्कूल में सीनियर ग्रेजुएट शिक्षक के रूप में कार्यरत थे और लोग प्यार से उन्हें ''मास्टर दा'' कहकर सम्बोधित करते थे।
   - **बच्चों को क्या दिखायें?** विशेष तौर पर अभिषेक बच्चन की **फिल्म– 'खेलें हम जी जान से'** देखें।

दिवस प्रेरणा 12

स्वामी विवेकानन्द

(भारतीय दार्शनिक व अध्यात्मवेत्ता)

भाषण देने के पूर्व घबराहट हो रही थी ...

संघर्ष

स्वामी विवेकानंद जी कुछ देसी रियासतों के राजाओं के सहयोग से अमेरिका गए। शिकागो पहुँचने के बाद उन्हें पता चला कि धर्म संसद को भी दो महीनों के लिए टाल दिया गया है तथा भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन भी बंद हो चुका है। वहाँ एक महिला के सहयोग से उन्हें धर्म संसद में भाग लेने का प्रवेश पत्र मिला जो समिति के समक्ष प्रस्तुत करना था और समिति तक पहुँचने का पता भी दिया। लेकिन शिकागो स्टेशन पर वह पता भी खो गया। धीरे–धीरे पैसे भी समाप्त हो गये थे। स्वामी जी निराश और असहाय इधर–उधर घूमने लगे। सर्द रात का समय खाली माल गाडी में बिताई। सुबह वह भोजन के लिए घर–घर भटकते रहे, पर वहाँ के निवासियों से अपमान और फटकार के अलावा कुछ नही मिला। एक महिला ने उन्हें पहचाना और उन्हें धर्म संसद तक पहुँचाया। भाषण देने के पूर्व वे काफी घबराहट में थे, क्योंकि इतने बड़े मंच पर कभी उन्होंने भाषण नहीं दिया था। इसलिए वे बार–बार अपनी बारी को टालते जा रहे थे।

सफलता

शिकागो के भाषण के बाद उनके बारे में लोगों की धारणा बदल गई। उनका भाषण सुनकर तथा वाक् शैली से विद्वान चकित हो उठे। वे युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत्र बन गये। उनके जन्मदिवस को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुतिः टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

13 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, पौष माह, शुक्ल पक्ष, पौष पूर्णिमा, सोमवार 13 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"सफलता हमेशा असफलता के स्तंभ पर खड़ी होती है इसलिए किसी को असफलता से घबराना नहीं चाहिए।"

आज के दिन

1709– मुगल शासक बहादुर शाह प्रथम ने अपने भाई कमबख्स को हैदराबाद में पराजित किया।

1818– उदयपुर के राणा ने मेवाड़ के संरक्षण के लिये अंग्रेजों के साथ संधि की।

1849 – द्वितीय आंग्ल सिख युद्ध के दौरान चिलियांवाला की प्रसिद्ध लड़ाई शुरू हुई।

1910 – न्यूयॉर्क शहर में दुनिया का पहला सार्वजनिक रेडियो प्रसारण प्रारम्भ हुआ।

1930– कॉमिक स्टिप मिकी माउस पहली बार प्रकाशित हुई। न्यूयॉर्क मिरर में छपने वाली इस कॉमिक की स्क्रिप्ट वॉल्ट डिजनी लिखते थे।

1948– राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिन्दू–मुस्लिम एकता बनाये रखने के लिये आमरण अनशन शुरू किया।

1. **लोहड़ी का त्योहार**– लोहड़ी उत्तर भारत का प्रमुख फसल–पर्व है। अच्छी फसल के लिए सूर्य देव और अग्नि देव का आभार प्रकट किया जाता है। इस पर्व के पीछे और भी कई मान्यताएं हैं। मान्यता है कि लोहड़ी और होलिका दोनों बहनें थी। लोहड़ी अच्छी प्रवृति की थी और होलिका का व्यवहार अच्छा नहीं था। होलिका अग्नि में जल गई और लोहड़ी बच गई। इसके बाद से पंजाब में उसकी पूजा होने लगी और उसी के नाम पर लोहड़ी का पर्व मनाया जाने लगा। एक अन्य मान्यता के अनुसार, राजा दक्ष की पुत्री सती ने अपने पति भगवान शंकर के अपमान से दुःखी होकर खुद को अग्नि के हवाले कर दिया था। इसी की याद में ही नवविवाहित जोड़ी अग्नि जलाकर उसकी फेरी करते हैं। इस अवसर पर विवाहित बहन–बेटियों को घर बुलाया जाता है। ये त्यौहार बहन और बेटियों की रक्षा और सम्मान के लिए मनाया जाता है। लोहड़ी के दिन वि'ोष पकवान बनते हैं जिसमें गज़क, रेवड़ी, तिल–गुड़ के लड्डु, मक्का की रोटी और सरसों का साग, मूँगफली प्रमुख होता है।
   - **संदर्भः** बच्चों से **पर्यावरण और हम भाग 2, पाठ 4 'त्योहार और भोजन'** अथवा **किसलय भाग–1, पाठ 17 'फसलों के त्योहार'** के संदर्भ में चर्चा करें।

2. **राकेश शर्मा का जन्म**– भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा का जन्म 13 जनवरी, 1949 ई. को पंजाब में हुआ था। जुलाई 1966 में उनका नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) में एडमिशन हुआ। 21 साल की उम्र में वो एयरफोर्स से जुड़े और वहां वो सुपरसोनिक लड़ाकू विमान उड़ाया करते थे। 35 साल के उम्र में अंतरिक्ष में जाने वाले राकेश शर्मा 128वें इंसान थे और पहले भारतीय थे। इसरो और सोवियत संघ (अब रूस) के ज्वॉइंट मिशन के तहत राकेश शर्मा ने 3 अप्रैल, 1984 को सोयूज टी–11 से अंतरिक्ष यात्रा शुरू की थी। अंतरिक्ष में उन्होंने 7 दिन 21 घंटे और 40 मिनट बिताए थे।

3. **राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का आमरण अनशन शुरू**– 13 जनवरी, 1964 ई. कों भारत के पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हिंदू और मुसलमानों के बीच भयानक सांप्रदायिक दंगे हुए थे जिनमें कम से कम 100 लोग मारे गए थे और 400 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। दंगों की चपेट में कोलकाता के अलावा आस–पास के जिले भी आ गए थे। पुलिस ने लगभग सात हजार लोगों को हिरासत में लिया था लेकिन फिर भी दंगों पर काबू पाने में सफलता नहीं मिल रही थी। शहर के पांच थाना क्षेत्रों में मुसलमानों के घरों को आग लगाने और लूट–पाट की घटना के बाद प्रशासन ने वहाँ 24 घंटे का कर्फ्यू लगाने का फैसला किया था। पुलिस और सैन्य बलों को बलवाइयों और उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश दे दिए गए थे। दंगे को रोकने के लिए महात्मा गांधी ने कोलकाता में आमरण अनशन शुरू कर दिया।

   जनवरी 1964 में भारत–प्रशासित कश्मीर की राजधानी श्रीनगर की एक मस्जिद से इस्लाम धर्म के संस्थापक पैगंबर मोहम्द से जुड़ी एक खास चीज के गायब होने की खबर के बाद दंगे भड़के थे। इसकी प्रतिक्रिया में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान और आज के बांग्लादेश में दंगे भड़के जिनमें 29 हिंदू मारे गए थे। साथ ही भारत विभाजन का भी गुस्सा भारतीय हिन्दुओं में था। उसका बदला लेने के लिए बंगाल के गाँवों में मुसलमानों के खिलाफ हमले होने लगे और बाद में कोलकाता भी इसकी चपेट में आ गया। जनवरी के आखिर तक दंगों पर काबू पा लिया गया था।

महाकुंभ मेला शुरू– उत्तर प्रदेश में प्रयागराज के संगम तट पर महाकुंभ का आज से आगाज हो रहा है। यह मेला मकर संक्रांति (जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है) के शुभ अवसर पर पौष पूर्णिमा से प्रारंभ होता है। 12 पूर्ण कुंभ के पूरे होने पर 144 वर्षों के बाद एक बार महाकुंभ का आयोजन होता है। मान्यता है कि समुद्र मंथन से निकले अमृत कलश के लिए देवताओं व राक्षसों में युद्ध हुआ। भगवान विष्णु ने मोहिनी रूप धारण कर कलश को अपने वाहन गरूड़ को दे दिया। गरूड़ द्वारा कलश ले जाते समय मार्ग में कुछ बूंदे हरिद्वार, नासिक, उज्जैन और प्रयागराज में गिर गयी। तभी से लोग मोक्ष प्राप्ति की कामना के लिए पवित्र नदियों में 'अमृत स्नान' के लिए आते हैं। इस दौरान यहां गंगा, यमुना और सररस्वती के संगम नदी जल में स्नान करना पवित्र माना जाता है।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

14 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, मंगलवार 14 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"लोगों को अपने सपने मत बताओ, बस उन्हें पुरा करके दिखाओ, क्योंकि लोग सुनना कम देखना ज्यादा पसंद करते हैं।"

–ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

DIWAS GYAN

आज के दिन

1551– मुगल साम्राज्य में अकबर के दरबार के नवरत्नों में से एक अबुल फजल का जन्म।

1742– प्रसिद्ध खगोलशास्त्री एडमंड हैली का निधन।

1926– लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता महाश्वेता देवी का जन्म।

1934 – 'बिहार का माउंटेन मैन' के नाम से प्रसिद्ध दशरथ मांझो का जन्म।

1937– हिन्दी साहित्यकार जयशंकर प्रसाद का निधन।

1. **अंतर्राष्ट्रीय पतंग दिवस**– पतंगबाजी विश्व के पुराने खेलों में से एक है। माना जाता है कि दुनिया की पहली पतंग एक चीनी दार्शनिक 'हुआंगथेग' ने बनाई थी। चीन के बौद्ध तीर्थयात्रियों द्वारा पतंगबाजी भारत में आया। भारत में अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव की शुरूआत वर्ष 1989 में अहमदाबाद में हुई थी।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को पतंग की ज्यामितीय आकृति और ज्यामितीय गुणों के बारे में बता सकते हैं। वैसे आज बच्चों को पतंगबाजी सिखायें। इसमें उनके साथ–साथ आपको भी मजा आयेगा।

2. **मकर संक्राति /पोंगल/ खिचड़ी/ पतंगोत्सव/ घुघुतिया का त्योहार**– यह सूर्य के मकर राशि में प्रवेश का प्रतीक है। मकर संक्रांति के दिन से धरती का उत्तरी गोलार्द्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। इस दिन से ठंड कम होने लगता है।
   - **संदर्भः** बच्चों से **पर्यावरण और हम भाग 2, पाठ 4 'त्योहार और भोजन'** अथवा **किसलय भाग–1, पाठ 17 'फसलों के त्योहार'** के संदर्भ में चर्चा करें।

3. **अररिया, तथा किशनगंज जिले का स्थापना दिवस**– 14 जनवरी, 1990 ई. को पूर्णिया जिले को विभाजित कर अररिया तथा किशनगंज जिला की स्थापना की गई थी। किशनगंज बिहार का एकमात्र मुस्लिम बहुल जिला हैं जहाँ मुस्लिमों को जनसंख्या 68 प्रतिशत है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को मानचित्र पर अररिया तथा कि"ानंज जिले की अवस्थिति पता करने के कहें। इन दोनों जिले की प्रमुख फसल, नदियों आदि की जानकारी प्राप्त करें।

4. **पानीपत का तीसरा युद्ध**– पानीपत का तीसरा युद्ध मराठा तथा अफगान शासक अहमदशाह अब्दाली के साथ 14 जनवरी, 1761 ई0 को हुआ था। अहमदशाह ने पाँचवी बार भारत पर आक्रमण किया था। इस युद्ध में मराठा बुरी परास्त हुए। अहमदशाह ने वापस जाने के पूर्व नजीबुद्दौला को 'मीर बख्शी' नियुक्त किया।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 9, पृष्ठ 154**
   - संभव हो तो आशुतोष गोवारिकर द्वारा निर्देशित फिल्म '**पानीपत**' बच्चों को दिखायें।

5. **अबुल फ़जल का जन्म**– मुगल बादशाह अकबर के नवरत्नों में से एक अबुल फ़जल, अकबर का मुख्य सलाहकार और सचिव थे। उसका जन्म 958 हिजरी (6 मुहर्रम, 14 जनवरी, 1551ई.) को आगरा में हुआ था। उसका पूरा नाम अबुल फ़जल इब्न मुबारक था। उसे साहित्य, इतिहास और दर्शनशास्त्र का बहुत ज्ञान था। अबुल फ़जल ने 'आइने अकबरी' और 'अकबरनामा' की रचना की थी। अबुल फज़ल ने पंचतंत्र का अनुवाद 'अनवर–ए–सादात' नाम से किया था।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 4, पृष्ठ 69** के संबंध में बच्चों से चर्चा करें।

6. **तमिलनाड, राज्य का नामकरण**– 14 जनवरी 1969 को तमिलनाडु राज्य का नामकरण हुआ। तमिलनाडु का मूल नाम चोलमंडलम था, जिसका आशय चोल प्रदेशों से है। इससे पूर्व तक इस प्रदेश को मद्रास के नाम से जाना जाता था।

7. **दशरथ मांझी का जन्म**– 'माउंटेन मैन' के नाम से मशहुर दशरथ माँझी का जन्म 14 जनवरी 1934 ई. को बिहार में गया के करीब गहलौर गाँव में हुआ था। उन्होंने 22 वर्षों परिश्रम के अकेले ही 360 फुट लंबी 30 फुट चौड़ी और 25 फुट ऊँचे पहाड़ को काट के एक सड़क बना डाली।
   - **संदर्भः संस्कृत** के पाठ 'संकल्पवीरः दशरथ मांझी' से जोडकर चर्चा करें।
   - संभव हो तो फिल्म **'माउंटेन मैनः दशरथ मांझी'** बच्चों को दिखायें।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

15 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, बुधवार 15 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

''जीतने वाले कभी बहाने नहीं बनाते और बहाने वाले कभी जीतते नहीं।''

आज के दिन

1934– भारत और नेपाल में 8. 7 तीव्रता वाला भूकंप आया। इस भूकंप में करीब 11,000 से अधिक जानें गई। यह बिहार का प्रमुख विनाशकारी भूकंप था।

1934– राज्यसभा की पहली महिला महासचिव रामा देवी का जन्म देवरोलु, आंध्र प्रदेश में हुआ था।

1965– भारतीय खाद्य निगम की स्थापना।

1988– भारत के पूर्व गेन्दबाज नरेन्द्र हिरवानी ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए वेस्टइंडिज के खिलाफ अपने पहले टेस्ट मैच में ही 16 विकेट लिए।

1992– बुल्गारिया ने बाल्कन के देश मैसिडोनिया को मान्यता दी।

2001– निःशुल्क ऑनलाइन विश्वकोश, विकिपीडिया की स्थापना जिमी वेल्स और लैरी सेंगर द्वारा की गई थी।

1. **थल सेना दिवस**– प्रतिवर्ष 15 जनवरी को लेफ्टिनेंट जनरल (बाद में फील्ड मार्शल) के. एम. करियप्पा के भारतीय थल सेना में शीर्ष कमांडर का पदभार ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्होंने यह पद अंतिम अंग्रेज कमांडर जनरल फ्रांसिस राय बुचर से यह पद भार ग्रहण किया था। 15 जनवरी, 1949 ई. को ही के. एम. करियप्पा स्वतंत्र भारत के प्रथम भारतीय थल सेना प्रमुख बने। भारतीय थल सेना को रक्षा पंक्ति में प्रथम तथा प्रधान स्थान प्राप्त है। भारतीय थल सेना का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। थल सेना के सेनाध्यक्ष चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ होते हैं, जो समग्र रूप से सेना की कमान, नियंत्रण और प्रशासन के लिए उत्तरदायी है। सेना को छः कमांडों और एक प्रशिक्षण कमांड में बाँटा गया है। थल सेना दिवस पर देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर सपूतों के प्रति श्रद्धांजलि दिया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को भारतीय थल सेना के साहस और पराक्रम की कहानियां अथवा फिल्मों को दिखाएं। बच्चों को सैनिकों का सम्मान करना सिखायें।

2. **भारतीय खाद्य निगम की स्थापना**– भारतीय खाद्य निगम की स्थापना 15 जनवरी, 1965 को खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी। यह अच्छी गुणवत्ता के खाद्यान्नों का क्रय करके उन्हें गोदामों में भण्डारित करता है। फिर लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से लोगों को वहनीय मूल्यों पर उपलब्ध कराया जाता है।
   - बच्चों को **वर्ग आठ के नागरिक की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 8 'खाद्य सुरक्षा'** से जोड़कर बतायें।

3. **सैफुद्दीन किचलू का जन्म**– सैफुद्दीन किचलू एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी, वकील व भारतीय राष्ट्रवादी मुस्लिम नेता थे। इनका जन्म 15 जनवरी, 1888 ई. को अमृतसर, पंजाब में हुआ था। इनके पिता का नाम अज़ीज़ुद्दीन किचलू, और माता का नाम दान बीबी था। इनके पूर्वज कश्मीरी पण्डित थे। जिन्होंने बाद में इस्लाम अपना लिया। इनकी प्रारम्भिक शिक्षा अमृतसर में हुई। उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री लेने के बाद लन्दन से 'बार–एट–लॉ' तथा जर्मनी से पीएच.डी. की उपाधि प्राप्त किया। वहाँ वे फ्रेंच क्रांति से प्रभावित हुए। 'मजलिस' नाम की स्टूडेंट सोसाइटी से जुड़े। भारत लौटने के बाद वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े।
   इन्होंने होमरूल आंदोलन, खिलाफत आंदोलन और असहयोग आंदोलन में भाग लिया। वर्ष 1924 में उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का महासचिव बनाया गया। उन्होंने 'तंजीम' नाम से एक पत्रिका की शुरूआत की। डॉ. सैफुद्दीन किचलू मुस्लिम लीग की विचारधारा के धूर विरोधी थे और आखिरी तक 'टू नेशन थ्योरी' का विरोध करते रहे। 21 दिसम्बर, 1954 ई. को उन्हें स्टालिन शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वे प्रथम भारतीय थे। 9 अक्टूबर, 1988 को सैफुद्दीन किचलू का दिल्ली में निधन हो गया।

4. **एशियाटिक सोसाइटी ऑफ बंगाल की स्थापना**– एशियाटिक सोसाइटी की स्थापना 15 जनवरी, 1784 ई. को विलियम जोंस ने कोलकाता स्थित फोर्ट विलियम में की थी। इसका उद्देश्य प्राच्य–अध्ययन का बढ़ावा देना था। एशियाटिक सोसाइटी में लगभग 1 लाख 75 हजार पुस्तकों का संग्रह है जिनमें तमाम पुस्तकें तथा वस्तुएं अत्यंत दुर्लभ है। इसमें एशिया का प्रथम आधुनिक संग्रहालय भी था। वर्तमान में यह संस्थान सभी साहित्यिक व वैज्ञानिक गतिविधियों तथा पुस्तकों, पांडुलिपियों, सिक्कों, पुराने चित्रों और अभिलेख का संरक्षक है।

आज के दिवस ज्ञान की विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें 1. 'दिवस ज्ञान विशेषांक 15 जनवरी 2025', 2. ज्ञान दृष्टि का 'भारतीय सेना' अंक

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

16 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, गुरूवार 16 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"हजार मील के सफ़र की शुरूआत हमेशा एक कदम से ही होती है।"

"A journey of a thousand miles begins with a single step."

आज के दिन

1630– सिक्खों के सातवें गुरू गुरू हरराय का जन्म।

1681– महाराष्ट्र के रायगढ़ किले में छत्रपति शिवाजी के पुत्र संभजी का भव्य राज्याभिषेक हुआ।

1761– पांडिचेरी पर से अंग्रेजों ने फ्रांसिसियों का अधिकार हटा दिया।

1769– कलकत्ता (कोलकाता) के अकरा में पहली बार सुनियोजित घुड़दौड़ का आयोजन।

1901– भारत के प्रसिद्ध समाज सुधारक और राष्ट्रवादी महादेव गोविन्द रानाडे का निधन।

1955– पुणे के खड्गवासला में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी का औपचारिक उद्घाटन।

1. **राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस**– माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्टार्टअप इंडिया के स्थापना दिवस 16 जनवरी को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की है। स्टार्टअप इंडिया भारत सरकार द्वारा 16 जनवरी, 2016 को शुरू की गई एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य देश में नवाचार और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करना है, जो आर्थिक विकास को गति देगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा।

2. **शरतचंद्र चटोपाध्याय का निधन**– बांग्ला भाषा के सुप्रसिद्ध उपन्यासकार शरतचंद्र चटोपाध्याय का निधन 16 जनवरी, 1938 ई. को कोलकाता में हुआ था। उनकी अधिकांश कृतियों में गाँव के लोगों की जीवनशैली, उनके संघर्ष एवं उनके द्वारा झेले गयें संकटों का वर्णन है। इसके अलावा उनकी रचनाओं में तत्कालीन बंगाल के सामाजिक जीवन की झलक मिलती है। उनकी प्रमुख रचनाओं में देवदास, पंडित मोशाय, बैकुठेर बिल, श्रीकान्त, परिणीता, चरित्रहीन, पथेर दाबी आदि प्रमुख है।
   - **बच्चों को क्या दिखायें?** बच्चों को उनकी रचना पर आधारित फिल्म देवदास, परिणीता दिखायें।

3. **रामनरेश त्रिपाठी का निधन**– प्राक्छायावादी युग के महत्वपूर्ण कवि रामनरेश त्रिपाठी का निधन 16 जनवरी, 1962 ई. को हुआ था। उन्होंने अपने 72 वर्ष के जीवन काल में लगभग सौ पुस्तकें लिखी। 'बा और बापू' उनके द्वारा लिखा गया हिन्दी का पहला एकांकी नाटक है। उनकी चार काव्य कृतियां प्रमुख हैं– मिलन (1918), पथिक (1920), मानसी(1927), स्वप्न (1929)।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** रामनरेश त्रिपाठी द्वारा रचित कोई कविता–कहानी का सस्वर वाचन करवायें।

हे प्रभु आनंद दाता

हे प्रभु ! आनंद दाता !! ज्ञान हमको दीजिये।
शीघ्र सारे दुर्गुणों को दूर हमसे कीजिये।। हे प्रभु...।।
लीजिये हमको शरण में हम सदाचारी बनें।
ब्रह्मचारी धर्मरक्षक वीर व्रतधारी बनें ।। हे प्रभु...।।
निंदा किसी की हम किसी से, भूल कर भी न करें।
ईर्ष्या कभी भी हम किसी से भूल कर भी न करें ।। हे प्रभु...।।
सत्य बोलें झूठ त्यागें मेल आपस में करें।
दिव्य जीवन हो हमारा यश तेरा गाया करें।। हे प्रभु...।।
जाये हमारी आयु हे प्रभु ! लोक के उपकार में।
हाथ ड़ालें हम कभी न भूलकर अपकार में ।। हे प्रभु...।।
कीजिये हम पर कृपा ऐसी हे परमात्मा !
मोह मद मत्सर रहित होवे हमारी आत्मा।। हे प्रभु...।।
प्रेम से हम गुरुजनों की नित्य ही सेवा करें।
प्रेम से हम संस्कृति की नित्य ही सेवा करें।। हे प्रभु...।।
योगविद्या ब्रह्मविद्या हो अधिक प्यारी हमें।
ब्रह्मनिष्ठा प्राप्त करके सर्वहितकारी बनें ।। हे प्रभु...।।

–रामनरेश त्रिपाठी

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

17 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्थी तिथि, शुक्रवार 17 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"एक अच्छा विचार आपका पूरा जीवन बदल सकता है।"

"One good idea can change your whole life."

आज के दिन

395 ई.– रोमन सम्राट थियोडोसियस–1 (379–95ई.) का निधन (इसने अपने शासन के दौरान ईसाई धर्म को बढ़ावा दिया और गोथों के साथ संघर्षों का समाधान किया)

1871– अमेरिकी आविष्कारक एंड्रयू स्मिथ हैलिडी को केबल कार के लिए पहला पेटेंट प्राप्त हुआ।

1888– भारत के प्रसिद्ध साहित्यकार, निबंधकार और व्यंग्यकार बाबू गुलाबराय का जन्म।

1942– अमेरिकी मुक्केबाज मुहम्मद अली (जिन्हें व्यापक रूप से सभी समय का सबसे महान हेवीवेट मुक्केबाज माना जाता है) का जन्म

1989– कर्नल जतिन्द्र कुमार बजाज उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाले पहले भारतीय बने।

2022 मशहूर भारतीय नर्तक, संगीतकार और गायक बिरजू महाराज का निधन

1. **बेंजामिन फ्रेंकलिन का जन्म**– बेंजामिन फ्रेंकलिन का जन्म 17 जनवरी, 1706 ई. को बोस्टन, मेसाचुसेट्स, अमेरिका में हुआ था। बेंजामिन फ्रेंकलिन ने ही **तड़ित चालक** का खोज किया था।
   - **संदर्भ:** बच्चों को **विज्ञान भाग 3, पृष्ठ 15** के संदर्भ में बेंजामिन फ्रेंकलिन के बारे में बतायें।

2. **डी. आर. कापरेकर का जन्म**– दत्तात्रेय रामचन्द्र कापरेकर एक भारतीय गणितज्ञ थे। उनका जन्म 17 जनवरी, 1905 को डहाणू, महाराष्ट्र में हुआ था। उन्होंने संख्या सिद्धान्त के क्षेत्र में अनेक योगदान किया। संख्या 6174 को **कापरेकर स्थिरांक** कहते हैं। इसका पता कारपरेकर ने लगाया था।
   उदाहरण के लिए–
   i. चार अंक की कोई भी संख्या लीजिये जिसके दो अंक भिन्न हों।
   ii. संख्या के अंकों को आरोही तथा अवरोही क्रम में लिखें। इससे आपको दो संख्यायें मिलेंगी।
   iii. अब बड़ी संख्या में से छोटी संख्या को घटायें।
   iv. जो संख्या मिले इस पर पुनः क्रम संख्या 2 तथा 3 वाली प्रक्रिया दोहराएं।
   कुछ निश्चित चरणों के बाद आपको संख्या 6174 मिलेगी।
   जैसे– $7731 - 1377 = 6354$
   $6543 - 4356 = 3087$
   $8730 - 0378 = 8352$
   $8532 - 2358 = 6174$
   $7641 - 1467 = 6174$

3. **माउंट एवरेस्ट की खोज**– ब्रिटेन के पर्वतारोही जार्ज एवरेस्ट ने 17 जनवरी, 1841 को विश्व की सबसे ऊँची चोटी का पता लगाया था। यद्यपि, उन्होंने माउंट एवरेस्ट को कभी नजदीक से नहीं देखा था।
   विश्व के सर्वोच्च पर्वतों को निर्धारित करने के उद्देश्य से सन् 1806 में ब्रिटिश सर्वेयर जॉर्ज एवरेस्ट को भारत का सर्वे करने का जिम्मा दिया गया। 1808 ई. में 'भारत का महान त्रिकोणमितीय सर्वे' शुरू किया था। यह सर्वे दक्षिण भारत से शुरू हुई होकर उत्तर भारत तक पहुँची। सन् 1830 में वे हिमालय के पहाड़ों के पास सर्वे के लिये पहुँचे। लेकिन नेपाल की राजसत्ता ने आक्रमण के डर से उन्हें प्रवेश नहीं करने दिया। जिसके फलस्वरूप ब्रिटिश सर्वेयर को तराई भाग से ही चोटियों के सर्वेक्षण करने के लिये बाध्य होना पड़ा। वर्ष 1843 में जॉर्ज एवरेस्ट रिटायर हो गये। बाद में एक भारतीय गणितज्ञ राधानाथ सिकन्दर और बंगाल के सर्वेक्षक ने निकोलसन के आंकड़ों पर गणना कर सन् 1856 में एवरेस्ट के ऊँचाई को 29,000 फीट (8,840 मीटर) ऊँचा बताया। अपने पूर्ववर्ती सीनियर ऑफीसर जार्ज एवरेस्ट के सम्मान में इस चोटी नाम 'माउंट एवरेस्ट' रखा गया।
   इसे नेपाली भाषा में स्थानीय लोग 'सागरमाथा' (अर्थात् स्वर्ग का शीर्ष), संस्कृत में 'देवगिरि' (अर्थात् देवताओं का पर्वत), तिब्बती भाषा में 'चोमोलंगमा' (अर्थात् पर्वतों की रानी) कहा जाता है। नेपाल के प्रसिद्ध इतिहासकार बाबुराम आचार्य ने सन् 1930 के दशक में एवरेस्ट को 'आकाश का भाल' कहा था।
   एवरेस्ट उत्तरी गोलार्द्ध में एशिया महादेश के नेपाल देश स्थित है। यह नवीन मोड़दार पर्वत श्रृंख्ला हिमालय का एक अंग है। 29 मई 1953ई. को न्यूजीलैंड के सर एडमंड हिलेरी और दार्जीलिंग के तेनजिंग नोर्गे ने पहली बार एवरेस्ट को फतेह किया।

माउंट एवरेस्ट के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए पढ़ें: ज्ञान दृष्टि का 'एवरेस्ट' अंक

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

18 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार 18 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"दूसरों के साथ ऐसा व्यवहार न करें, जो आपको पसंद नहीं।"

"Don't treat others as you wouldn't like for yourself."

DIWAS GYAN

आज के दिन

1778 – जेम्स कुक 'हवाई द्वीपसमूह' की खोज करने वाले पहले यूरोपियन बने। इसका नाम उन्होंने 'सेंडविच आइलैंड' रखा।

1896 – हेनरी लुईस स्मिथ द्वारा 'एक्सरे मशीन' का पहला प्रदर्शन किया गया।

1936– 'नोबेल पुरस्कार' से सम्मानित ब्रिटिश लेखक और कवि रुडयार्ड किपलिंग का निधन।

2003– हिन्दी भाषा के प्रसिद्ध कवि और लेखक हरिवंश राय बच्चन का निधन।

सुरक्षित शनिवार

भूकंप के संदर्भ में कौशल विकास, प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकडिल)

"झ,को, ढंको, पकडो"

1. **महादेव गोविन्द रानाडे का जन्म**– महादेव गोविन्द रानाडे ब्रिटिश काल के एक भारतीय न्यायाधीश, लेखक एवं समाज सुधारक थे। उनका जन्म 18 जनवरी, 1842ई. को हुआ था। उन्होंने अपने मित्रों आत्माराम पांडुरंग और चन्द्रावरकर के साथ मिलकर प्रार्थना समाज की स्थापना 1867 ई. में किया, जिसका उद्देश्य जाति–प्रथा और विधवा मुण्डन का विरोध, स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन तथा विधवा विवाह था। उन्होंने पुणे सार्वजनिक सभा की स्थापना की।
   - संदर्भः **अतीत से वर्तमान भाग 3, पृश्ठ 133 और पृष्ठ 186;** महादेव गोविन्द रानाडे के जीवनी और कार्यों के बारे में बतायें।
2. **कवि हरिवंश राय बच्चन का निधन**– कवि हरिवंश राय बच्चन का निधन 18 जनवरी, 2003 में 95 वर्ष की आयु में बम्बई में हुआ था। इनकी प्रसिद्ध रचनाओं में मधुशाला (1935), मधुबाला (1936), मधुकलश (1937), क्या भूलूँ क्या याद करूँ (1969) आदि प्रमुख हैं। उनकी कृति 'दो चट्टानें' को 1968 ई. में हिन्दी कविता के लिए भारत सरकार द्वारा 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' से सम्मानित किया गया था। इसी वर्ष उन्हें 'सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार' तथा एफ्रो एशियाई सम्मेलन के 'कमल पुरस्कार' से भी सम्मानित किया गया। बिड़ला फाउण्डेशन ने उनकी आत्मकथा के लिए उन्हें 'सरस्वती सम्मान' दिया था। बच्चन को भारत सरकार द्वारा 1976 ई. में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

DIWAS GYAN

दिवस प्रेरणा 18

हरिवंश राय बच्चन

(भारतीय साहित्यकार)

जातिप्रथा के विरोध में अपनी टाइटल हटा दी ...

संघर्ष

हरिवंशराय जी अपनी शिक्षा म्युनिसिपल स्कूल से शुरू की थी। 19 वर्ष की उम्र में उनका विवाह श्यामा बच्चन से हुआ जो उस समय 14 वर्ष की थीं। सन 1936 में टी.बी. के कारण श्यामा की मृत्यु हो गई। पाँच साल बाद 1941 ई. में बच्चन ने तेजी सूरी से विवाह किया जो रंगमंच तथा गायन से जुड़ी हुई थीं। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटरेचर में एम. ए. किया और 1952 तक वे इसी यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर भी रहे। जाति प्रथा का विरोध करने के लिए अपने नाम से जातिसूचक शब्द 'श्रीवास्तव' को हटाकर 'बच्चन' लगाने लगे। वापस आकर वे फिर से यूनिवर्सिटी में पढ़ाने लगे साथ ही साथ ऑल इंडिया रेडियो इलाहाबाद में काम भी किया।

सफलता

वे दूसरे भारतीय थे, जिन्हें कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी से इंग्लिश लिटरेचर में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त हुई थी। 1955 में हरिवंशराय जी दिल्ली चले गए और भारत सरकार ने उन्हें विदेश मंत्रालय में हिंदी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया। 1966 में इनका नाम राज्य सभा के लिए लिया गया था। हरिवंशराय जी ने शेक्सपियर की Macbeth and Othello को हिंदी में रूपांतरित किया जिसके लिए उन्हें सदैव स्मरण किया जाता है। बच्चन को भारत सरकार द्वारा 'साहित्य अकादमी पुरस्कार' तथा 1976ई. में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

19 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, रविवार 19 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

''फूल की सुगंध केवल हवा की दिशा में फैलती है लेकिन व्यक्ति की अच्छाई सभी दिशाओं में फैलती है।''

"Fragrance of Flower spread only in direction of wind but goodness of person spread in all direction."

DIWAS GYAN

आज के दिन

1163– प्रोला के पुत्र रूद्रदेव ने स्वतंत्र काकातीय राज्य की स्थापना की। इसकी राजधानी हनुमानकोंडा थी और अधिकांश तेलंगाना प्रदेश उसके राज्य में शामिल थे।

1597– मेवाड़ के राणा प्रताप सिंह का निधन।

1905– हिन्दू दार्शनिक देबेन्द्रनाथ टैगोर का निधन।

1966– तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद इंदिरा गांधी को भारत का तीसरा प्रधानमंत्री बनाया गया। इंदिरा गांधी भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनी।

1986– पहला कम्प्यूटर वायरस 'सी ब्रेन' सक्रिय किया गया।

1. **राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल की स्थापना**– राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल (एनडीआरएफ) की स्थापना आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 के तहत 19 जनवरी 2006 को 'खतरनाक आपदा स्थिति या आपदा के समय विशेष प्रतिक्रिया के उद्देश्य के लिए' किया गया है। इसका आदर्श वाक्य 'आपदा सेवा सदैव सर्वत्र' है। एनडीआरएफ की प्राथमिक भूमिका बाढ़, भूकंप, चक्रवात, भूस्खलन आदि जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान बचाव और राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेना है। इसके अलावा, यह दंगों और आतंकवादी हमलों जैसी आंतरिक आपात स्थितियों के दौरान भी अपना समर्थन देता है।

2. **जेम्स वॉट का जन्म**– जेम्स वॉट का जन्म 19 जनवरी, 1736 ई. को स्कॉटलैंड में हुआ था। स्कूल के दिनों में उन्होंने सिद्ध कर दिया कि उनमें गणित और इंजीनियरिंग के गुण अधिक हैं। जेम्स वॉट का महत्वपूर्ण कार्य भाप से चलने वाली वाष्प इंजन को सर्वश्रेष्ठ रूप देना है। वे ग्लासगो वि''वविद्यालय में भौतिकी के प्रोफेसर थे।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को जेम्स वॉट की जीवनी और उनके अविष्कारों के बारे में बतायें।

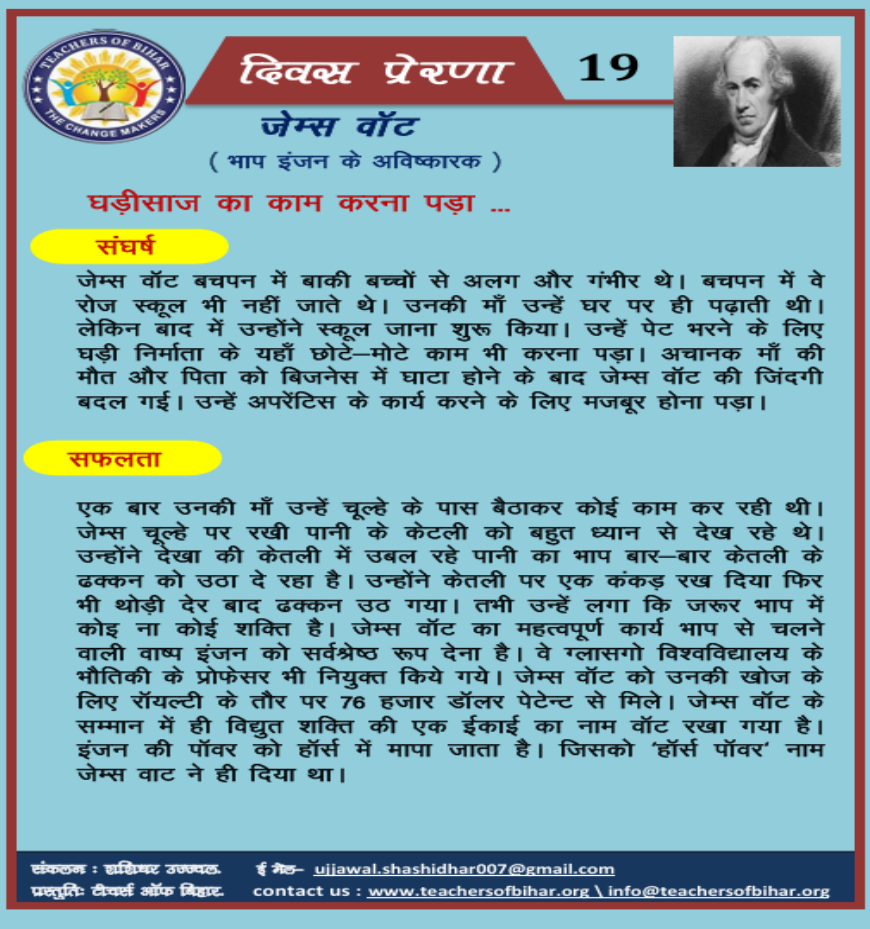

website: https://www.teachersofbihar.org/publication/diwasgyan https://www.teachersofbihar.org/publication/gyandrishti

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

20 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, षष्ठी तिथि, सोमवार 20 जनवरी 2025

Teachers of Bihar का छठा स्थापना दिवस

The Change Makers

टीचर्स ऑफ बिहार के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी के लिए संस्था की वेबसाइट www.teachersofbihar.org देखें।

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"भरोसा खुद पर रखो तो ताकत बन जाती है, दूसरों पर रखो तो कमजोरी बन जाती है।"

आज के दिन

1817– कलकत्ता हिन्दू कॉलेज की स्थापना। कोलकाता में अंग्रेजी शैली का पहला विद्यालय 'द हिन्दू कॉलेज' (बाद में प्रजिडेंसी कॉलेज कहलाया) की स्थापना 20 जनवरी, 1817 ई. को राजाराम मोहन राय ने डच घड़ीसाज़ डेविड हेयर के सहयोग से किया।

1892– पहली बार बास्केट बॉल खेला गया।

1957– भारत की पहली परमाणु भट्टी 'अप्सरा' का उद्घाटन हुआ।

1972– अरूणाचल प्रदेश केन्द्र शासित राज्य बना।

2007– अफगानिस्तान में सीमान्त गांधी के नाम पर संग्रहालय स्थापित किया गया।

2009– बराक ओबामा ने अमेरिका के पहले अश्वेत राष्ट्रपति के रूप में शपथ लिया।

2010– भारत में मोबाइल पोर्टेबिलिटी सेवाओ की शुरूआत की गई थी।

1. **वैज्ञानिक एम्पीयर का जन्म**– एम्पीयर का जन्म सन् 20 जनवरी, 1775 ई० में फ्रांस में हुआ था। आंद्रे मैरी एम्पीयर ने विद्युत चुंबकत्व से संबंधित महत्वपूर्ण नियम का प्रतिपादन किया जिसे 'एम्पीयर का नियम' कहा जाता है।

   एम्पीयर ने यह खोजा कि जब दो समान्तर तारों में विद्युतधारा एक ही दिशा में बहती है तो उन तारों में आकर्षण होता है। इसी प्रकार यदि दो समान्तर तारों में विद्युत धारा विपरीत दिशाओं में बहती है तो इन दोनों तारों के बीच में प्रतिकर्षण होता है। उन्होंने सर्वप्रथम यह भी आविष्कार किया कि यदि किसी कुण्डली से विद्युत धारा गुजारी जाए तो वह कुण्डली चुम्बक बन जाती है। इस प्रकार की कुण्डली को 'सालीनाइड' कहते हैं। उन्होंने बताया कि पृथ्वी का चुम्बकत्व, पृथ्वी के केन्द्र से बहने वाली विद्युत धाराओं के कारण होता है। उन्हीं के प्रयोग पर आधारित विद्युत धारा की इकाई 'एम्पीयर' आज प्रयोग की जाती है। एम्पीयर ने विद्युत धारा से सम्बन्धित बहुत से कार्य सम्पन्न किये। विद्युत के क्षेत्र में एम्पीयर ने अपने कार्यों से बहुत नाम कमाया।

   - **संदर्भ:** भौतिक विज्ञान के अध्याय '**विद्युत धारा**' से जोड़कर चर्चा करें।

2. **खान अब्दुल गफ़्फार खान का निधन**– खान अब्दुल गफ़्फार खान 'भारत रत्न' सम्मान पाने वाले (1987ई) प्रथम विदेशी नागरिक थे। उन्होंने 1930 ई. के सत्याग्रह आंदोलन में महात्मा गाँधी का साथ दिया था। 1930 के दशक के उत्तरार्द्ध में महात्मा गाँधी के निकटस्थ सलाहकारों में से एक थे। भारत विभाजन के बाद उन्होंने पाकिस्तान में रहने का निश्चय किया लेकिन वे भारत विभाजन से सहमत नहीं थे। सन् 1988 में पाकिस्तान के सरकार ने उन्हें पेशावर में उनके घर में नज़रबंद कर दिया। 'सीमांत गाँधी' के नाम से मशहूर खान अब्दुल गफ़्फार खान का निधन 20 जनवरी, 1988 ई. को हुआ था।

   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को वर्ग आठ की इतिहास की पाठ्यपुस्तक 'अतीत से वर्तमान भाग 3' के संदर्भ में स्वतंत्रता के लड़ाई में इनकी भूमिका पर चर्चा करवायें।

3. **भारत की पहली परमाणु भट्टी 'अप्सरा' का उद्घाटन**– अप्सरा भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, ट्रांबे (बंबई) में स्थापित भारत की पहली परमाणु भट्टी (रिऐक्टर) है। इसकी रूपरेखा, डिजाइन आदि भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) के निदेशक डॉ. भाभा एवं उनके सहयोगी वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों ने सन् 1955 में तैयार की थी। होमी जहांगीर को भारत में 'न्यूक्लीयर एनर्जी का जनक' भी कहा जाता है। इस परमाणु भट्टी का उद्घाटन 20 जनवरी, सन् 1957 ई. को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने किया था।

   अप्सरा लाइट वाटर स्विमिंग पूल टाइप रिएक्टर था। इसमें एक बार में एक मेगावॉट थर्मल की बिजली का प्रोडक्शन होता था। अप्सरा की ऊर्जा उत्पादन की अधिकतम शक्ति 1000 किलोवाट है, लेकिन इसका प्रचालन सामान्यतः 400 किलोवाट शक्ति तक ही किया जाता है। रिएक्टर की भट्टी में एल्यूमिनियम यूरेनियम की मिश्रित धातु से तैयार प्लेटों को जलाकर एनर्जी बनाई जाती थी। इसमें विशेष फ्यूल का यूज किया जाता था, जो यू.के. से आता था। इसमें रेडियो आइसोटोप का प्रोडक्शन भी किया जाता है। वर्ष 2010 में ये बंद कर दिया गया था। इसके अपग्रेड रिएक्टर अप्सरा का संचालन 10 सितंबर, 2018 से शुरू किया गया है।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

21 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार 21 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"महानता कभी ना गिरने में नहीं है, बल्कि हर बार गिर कर उठ जाने में है।"

–कन्फयूसियस

आज के दिन

1911– प्रथम मोन्टो कार्लो मोटर रैली की शुरूआत हुई।

1924– रैक्जे मैक्डोनाल्ड के नेतृत्व में पहली बार ब्रिटेन में लेबर पार्टी की सरकार बनी।

1945– महान क्रांतिकारी रास बिहारीबोस का जापान की राजधानी टोक्यो में निधन।

1950– अंग्रेजी के मशहूर लेखक जॉर्ज ऑरवेल का निधन।

1958– कॉपीराइट कानून प्रभाव में आया।

1963– हिन्दी साहित्य के उपन्यासकार, कहानीकार, सम्पादक और पत्रकार शिवपूजन सहाय का निधन।

1976– सुपरसोनिक गति वाले वाणिज्यिक विमान कांकर्ड ने नियमित सेवा शुरू की।

1996– दिल्ली में प्रायोगिक तौर पर कुछ ऑटोरिक्शा प्रोपेन गैस से चलना शुरू हुआ।

1. **मेघालय राज्य का स्थापना दिवस**– 21 जनवरी, 1972 ई.को मेघालय, मणिपुर और मिजोरम को अलग राज्य का दर्जा दिया गया। मेघालय का अर्थ है 'बादलों का घर'। विश्व में सर्वाधिक वर्षा इसी प्रदेश में ही होता है। मेघालय की राजधानी शिलांग है। गारो, खासी तथा जैंतिया की पहाड़ियां इसी प्रदेश में है। मेघालय का राज्य पशु भालू–बिल्ली और राज्य पक्षी पहाड़ी मैना है। इस राज्य की राजधानी शिलांग है। मेघालय का उच्च न्यायालय गुवाहाटी में स्थित है। राज्य के 70.3% भू–भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को मेघालय, मणिपुर और मिजोरम के भौगोलिक अवस्थिति, राजनैतिक तथा संस्कृति के बारे में बतायें।

2. **मणिपुर का स्थापना दिवस**– मणिपुर का अर्थ होता है 'एक आभूषित भूमि'। एक पौराणिक कथा के अनुसार पाताल में रहने वाले नाग देवता इस प्रदेश के सौन्दर्य पर मुग्ध होकर मणियों की वर्षा की थी। इसलिये इसका नाम मणिपुर पड़ा। मणिपुर की राजधानी इंफाल है। मणिपुर का राजकीय पशु थामिन मृग और राजकीय पक्षी ह्यूमजू बावेक्ट फैजेंट है। यहाँ की मुख्य भाषा मणिपुरी है। मणिपुर के उत्तर में नागालैंड, दक्षिण में म्यानमार, दक्षिण पश्चिम में मिजोरम, पूरब में म्यांमार तथा पश्चिम में असम राज्य है। इसका 92% हिस्सा पहाड़ियों से घिरा है। मणिपुर को 'उत्सव की भूमि' भी कहा जाता है। 'पोलो' खेल की उत्पत्ति मणिपुर से ही मानी जाती है।

3. **त्रिपुरा का स्थापना दिवस**– त्रिपुरा मूल रूप से त्रिपुरी, जामाती जनजातियों का प्रदेश है। इस प्रदेश को प्राचीन काल में किरात देश कहा जाता था। त्रिपुरा की राजधानी अगरतल्ला है। त्रिपुरा केवल देश के दो राज्यों असम और मिजोरम को छूता है। त्रिपुरा का राजकीय पशु केरीज पर्ण वानर और राजकीय पक्षी फैरी ब्लू बर्ड है। बांग्ला, त्रिपुरी, मणिपुरी यहाँ की मुख्य भाषाएं हैं। त्रिपुरा राज्य में 4 जिले हैं–उत्तरी त्रिपुरा, दक्षिणी त्रिपुरा, पश्चिमी त्रिपुरा और ढलाई। त्रिपुरा की सबसे लंबी नदी गोमती है। चोरोलाम, रासलीला, रखाल यहाँ की प्रमुख लोक नृत्य है। लुशाई, त्रिपुरी, भील, मोग, कुकी, चकमा, गारो, खासिया, भूटिया, लेपचा, जमातिया यहाँ की प्रमुख जनजातियां हैं। अगरतला से करीब 40 किलोमीटर दूर त्रिपुरा की प्राचीन राजधानी उदयपुर में त्रिपुर सुंदरी नामक मंदिर को देवी के शांति पीठों में एक माना जाता है।

4. **रासबिहारी बोस का निधन**– रासबिहारी बोस भारत के एक क्रांतिकारी नेता थे। दिल्ली की तत्कालीन वायसराय लार्ड चार्ल्स हार्डिंग पर बम फेंकने की योजना बनाने, ग़दर की साजिश रचने में शमिल थे। बाद में जापान जाकर इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की। रासबिहारी बोस ने 1942 में आजाद हिन्द फौज की भी स्थापना की थी। रासबिहारी बोस का निधन 21 जनवरी, 1945 ई. को हुआ था।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, पाठ 12, पृष्ठ 208** के संदर्भ में बच्चों को रासबिहारी बोस के कार्यों के बारे में बतायें।

5. **लेनिन की मृत्यु**– व्लादिमीर इलीइच लेनिन का असली नाम 'उल्यानोव' था। लेनिन एक उच्च कोटि का रूसी विचारक और दार्शनिक थे। प्रथम विश्वयुद्ध के समय लेनिन का नारा था– 'युद्ध बंद करो।' लेनिन रूस की बोल्शेविक क्रान्ति के भी नेता थे। लेनिन ने तीन नारे दिए– भूमि, शांति और रोटी। भूमि किसानों को, शांति सेना को और रोटी मजदूरों को। 21 जनवरी, 1924 को मस्तिष्क रक्तस्त्राव के कारण लेनिन की मृत्यु हो गई।
   - **संदर्भः** इतिहास के शिक्षक बच्चों को **रूस की क्रांति** और लेनिन के बारे में बताएं। **NCERT की वर्ग नवम् की इतिहास की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 2** से जोड़ कर चर्चा करें।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

22 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, अष्टमी तिथि, बुधवार 22 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

''परिवर्तन से डरना और संघर्ष से कतराना, मनुष्य की सबसे बड़ी कायरता है।''

आज के दिन

1531– ब्रिटेन के गणितज्ञ और दार्शनिक फ्रांसीस बेकन का जन्म।

1775– फ्रांस के भौतिकशास्त्री और गणितज्ञ आन्द्रे मेरी ऐम्पियर का जन्म हुआ।

1788– जार्ज गोर्डन बायरन नामक ब्रिटिश कवि का जन्म।

1901– महारानी विक्टोरिया का निधन। महारानी विक्टोरिया ने 1837 में ग्रेट ब्रिटेन और आयरलैण्ड की महारानी के रूप में सिंहासन संभालो और अपनी मृत्यु तक इस पर आरूढ़ रहीं।

1922– सोवियत संघ की स्थापना की गई।

1924– रैमसे मैकडोनाल्ड ब्रिटेन में लेबर पार्टी के पहले प्रधानमंत्री बने।

1963– देहरादून में दृष्टिहीनों के लिए राष्ट्रीय पुस्तकालय की स्थापना हुई।

1965– पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में इस्पात कारखाना शुरू हुआ।

1976– कर्नाटक शैली के प्रसिद्ध गायक और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता टी.एम. कृष्णा का जन्म।

1. **ठाकुर रोशन सिंह का जन्म**– ठाकुर रोशन सिंह भारत की आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों में से एक थे। 22 जनवरी, 1892 ई. को उनका जन्म हुआ था।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** हिन्दी के शिक्षक बच्चों को 'लड़की के पिता' कहानी को बच्चों को सुनायें।

2. **मुगल बादशाह शाहजहाँ का निधन**– शाहजहाँ अकबर के पोते और पाँचवे मुगल बादशाह थे। शाहजहाँ अपनी न्यायप्रियता और वैभवविलास के कारण अपने काल में बड़े लोकप्रिय रहे। वर्ष 1657 में दिल्ली में रहते हुए शाहजहाँ को मूत्र रोग हो गया था और इसकी वजह से वह बेहद बीमार रहने लगे थे। इसी बीच उत्तराधिकार को लेकर उनके पुत्रों में लड़ाई शुरू हो गई। उनके पुत्र औरंगजेब ने पिता शाहजहाँ को आगरे के किले में कैद कर दिया। 8 वर्षो तक आगरा के किले के शाहबुर्ज में कैद रहा। उसका अंतिम समय बड़े दुःख और मानसिक क्लेश में बीता था। उस समय उसकी प्रिय पुत्री जहाँआरा उसकी सेवा के लिए साथ रही थी। शाहजहाँ ने उन वर्षों को अपने वैभवपूर्ण जीवन का स्मरण करते और ताजमहल को अश्रुपूरित नेत्रों से देखते हुए बिताये थे। मुगल बादशाह शाहजहाँ का निधन 22 जनवरी, 1666 ई. को आगरा के किले में मुसम्मन बुर्ज पर 74 वर्ष की आयु में हुई थी। उसकी मृत्यु के बाद साधारण नौकरों द्वारा ताजमहल में उसकी पत्नी के कब्र के पार्श्व में ताजमहल में ही दफनाया गया था।
   - **संदर्भः** इतिहास के शिक्षक बच्चों को **अतीत से वर्तमान भाग 2, पाठ 4 अथवा पृष्ठ 73–74** के संदर्भ में शाहजहाँ के अंतिम दिनों बारे में अर्थात् शाहजहाँ के उत्तराधिकार की लड़ाई के बारे में बतायें।

3. **वांडिवाश का युद्ध**– वांडीवाश का युद्ध 22 जनवरी, 1760 ई. को अंग्रेजी सेना और फ्रांसीसियों को मध्य लड़ा गया था। अंग्रेजी सेना ने सर आयरकूट के नेतृत्व में वांडिवाश, (तमिलनाडु) में फ्रांसीसियों को बुरी तरह से हराया। फ्रांसीसियों को पाण्डिचेरी अंग्रेजों को सौंपना पड़ा। इस विजय के साथ ही अंग्रेजों ने भारत में फ्राँसीसियों की राजनीतिक शक्ति समाप्त कर दी।
   - **संदर्भः अतीत से वर्तमान भाग 3, पृष्ठ 24** के संदर्भ में बच्चों को अंग्रेजों और फ्रांसीसियों के बीच युद्ध के बारे में बतायें।

4. **खूनी रविवार**– 22 जनवरी, 1905 को रूस की जार सेना ने शांतिपूर्ण मजदूरों तथा उनके बीबी–बच्चों के एक जुलूस पर गोलियाँ बरसाई, जिसके कारण हजारों लोगों की जान गई। इस दिन चूँकि रविवार था, इसलिए यह खूनी रविवार के नाम से जाना जाता है। 22 जनवरी, 1905 को रविवार के दिन हड़ताली श्रमिकों ने एक बड़ा जुलूस निकाला जिससे पूरा सेंट पीटर्सबर्ग, आंदोलनकारियों से भर चुका था। बीबी–बच्चों के साथ मजदूरों का एक विशाल जुलूस जार को एक प्रार्थना पत्र देने के लिए सेंट पीट्सबर्ग स्थित राजा के महल के तरफ बढ़ना शुरू हो गया। जुलूस में शामिल लोग छोटे भगवान हमें रोटी दो के नारे लगा रहे थे। जार यह चाहता था कि लाग उसे भगवान की तरह पूजें। सरकार के सैनिकों ने निहत्थे श्रमिकों पर गोलियाँ की बारिश कर दिया। इससे एक हजार से अधिक मजदूर मारे गए और हजारों घायल हुए। महल के सामने का मैदान पूरी तरह खून से लबालब हो गया था। इसलिए इस दिन को 'खूनी रविवार' के नाम से जाना जाता है। इस नरसंहार की खबर सुनकर पूरे रूस में सनसनी फैल गयी।
   - **संदर्भः NCERT की वर्ग नवम् की इतिहास की पाठ्यपुस्तक के अध्याय 2 'रूस की क्रांति'** से जोडकर बतायें।

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

23 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, गुरूवार 23 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"कोयल अपनी भाषा बोलती है, इसलिए आजाद रहती है, पर तोता दूसरे की भाषा बोलता है, इसलिए जीवन भर गुलाम रहता है।"

आज के दिन

1664– मराठा शासक शिवाजी के पिता शाह जी का निधन।

1814– ब्रिटिश पुरातत्व शास्त्री कनिंघम का जन्म। इन्हें 'भारत के पुरातत्व अन्वेषण का पिता' भी कहा जाता है।

1914– फ्रांस के शासक नेपोलियन एल. बोनापार्ट का जन्म।

1920– एयरमेल और एयर ट्रांसपोर्ट सेवाएं प्रारंभ की गई।

1924– शिवसेना पार्टी के संस्थापक बाल ठाकरे का जन्म।

1930– क्लाइड टॉमबाग ने पहली बार प्लूटो की तस्वीर ली।

1965– दुर्गापुर एलॉय स्टील फैक्ट्री की स्थापना।

1966– इंदिरा गांधी भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनी।

1. **पराक्रम दिवस/देशप्रेम दिवस/सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती**– सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 ई. को कटक, उड़ीसा में हुआ था। 3 मई, 1939 ई. को उन्होंने फारवर्ड ब्लॉक की स्थापना की। उन्होंने जापान के सहयोग से आजाद हिन्द फौज का गठन किया। आजाद हिन्द फौज में औरतों के लिए 'झाँसी की रानी रेजिमेंट' भी बनाई। उन्होंने 'जय हिन्द' का नारा दिया था। 5 जुलाई, 1943 ई. को सिंगापुर के टाउन हॉल के सामने 'सुप्रीम कमाण्डर' के रूप में सेना को सम्बोधित करते हुए 'दिल्ली चलो' का नारा दिया था। युवाओं को फौज में भर्ती करने के लिए "तुम मुझे खुन दो मैं तुझे आजादी दूँगा।" जापान ने अंडमान और निकोबार द्वीप इन्हें प्रदान किया। सुभाष उन द्वीपों का नामकरण' शहीद द्वीप' और 'स्वराज द्वीप' रखा। आजाद हिन्द फौज और जापानी सेना ने मिलकर इंफाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन अंग्रेजी फौज भारी पड़ी। 6 जुलाई, 1944 ई. को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के दौरान बोस ने गांधीजी को 'राष्ट्रपिता' कहकर सम्बोधित किया। तभी गांधीजी ने भी उन्हें 'नेताजी' कहा। इस दिवस को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

   - **संदर्भ:** इतिहास के शिक्षक **अतीत से वर्तमान भाग 3, पाठ 12 अथवा पृष्ठ 208** के संदर्भ में बच्चों को सुभाष चन्द्र बोस की जीवनी बतायें।
   - **बच्चा का क्या दिखाय?** फिल्म 'नेता जी सुभाष चन्द्र बोस–द फॉरगोटन हीरो' बच्चों को दिखा सकते हैं।

2. **हैंडराइटिंग डे**– हस्तलेखन दिवस 23 जनवरी, 1977 से प्रतिवर्ष मनाया जाता आ रहा है। दिवस मनाने का उद्देश्य पेंसिल, पेन और कलर पेन से राइटिंग को खूबसूरत बनाना है। इसके साथ ही सुंदर हैंडराइटिंग के माध्यम से व्यक्तित्व को अच्छा बनाना है। सन् 1977 से ही इसे भारत में मनाया जा रहा है। यह दिवस अमेरिकन स्टेट्समैन, राजनीतिज्ञ और गवर्नर जॉन हैंकाक के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। जॉन हैंकाक अपने बिग बोल्ड लेटर्स सिग्नेचर के लिए जाने जाते थे। इसके साथ ही वे कॉन्टिनेंसियल कांग्रेस के फर्स्ट मेम्बर थे जो इंडिपेडेंस के डिक्लेयरेशन पर हस्ताक्षर किया था। तभी से (1976–77 से) प्रतिवर्ष 23 जनवरी को यह दिवस मनाते हैं।

3. **जनता पार्टी का गठन**– प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लागू आपातकाल (1975–1976) के बाद जनसंघ सहित भारत के प्रमुख राजनैतिक दलों का विलय करके 23 जनवरी, 1977 को एक नए दल 'जनता पार्टी' का गठन किया गया। जनता पार्टी ने 1977 से 1980 तक भारत सरकार का नेतृत्व किया। विभिन्न दलों में शक्ति साझा करने को लेकर विवाद बढ़ने लगे और ढ़ाई वर्षों के बाद देसाई को अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ा। वर्ष 1980 में जनता पार्टी विघटित हो गई और पूर्व जनसंघ के पदचिह्नों को पुनर्संयोजित करते हुये भारतीय जनता पार्टी का गठन किया गया।

4. **अहमदशाह अब्दाली द्वारा दिल्ली में लूटपाट**– अहमदशाह अब्दाली, सन 1748 में नादिरशाह की मौत के बाद अफगानिस्तान का शासक और दुर्रानी साम्राज्य का संस्थापक बना। ताजपोशी के वक्त, साबिर शाह नाम के एक सूफी दरवेश ने अहमदशाह अब्दाली को 'दुर–ए–दुर्रान' का खिताब दिया था, जिसका मतलब होता है 'मोतियों का मोती'। इसके बाद से अहमदशाह अब्दाली और उसके कबीले को 'दुर्रानी' के नाम से जाना जाने लगा। उसने भारत पर सन् 1748 ई.–1767 ई. के बीच सात बार चढ़ाई की।

   23 जनवरी, 1757 को वह दिल्ली पहुँचा और शहर कब्जा कर लिया। उस समय दिल्ली का शासक आलमगीर (द्वितीय) था। वह बहुत ही कमजोर और डरपोक शासक था। उसने अब्दाली से अपमानजनक संधि की जिसमें एक शर्त दिल्ली को लूटने की अनुमति देना था। वह एक माह तक दिल्ली में ठहर कर लूटमार करता रहा।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

24 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार 24 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अच्छा काम करते रहो, कोई सम्मान करे या न करे, सूर्योदय तब भी होता है जब करोड़ों लोग सोये होते हैं।"

आज के दिन

1556– सीढ़ीयों से गिरने से मुगल शासक हुमायूँ का निधन।

1826– प्रथम भारतीय बैरिस्टर ज्ञानेन्द्र मोहन टैगोर का जन्म।

1857– भारत के कोलकाता शहर में यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता की स्थापना की गई।

1862– बुखारेस्ट को रोमानिया की राजधानी बनाया गया।

1924– रूस के पेट्रोगाद का नाम बदलकर लेनिनग्राद कर दिया गया।

1950– डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद देश के प्रथम राष्ट्रपति बने।

1951– प्रेम माथुर भारत कीपहली महिला कमर्शियल पायलट बनीं।

1952– पहला अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह भारत में मुम्बई में हुआ।

1966– होमी जहाँगीर भाभा का निधन

2011– पंडित भीमसेन जोशी का निधन

1. **कर्पूरी ठाकुर का जन्म**– कर्पूरी ठाकुर का जन्म 24 जनवरी, 1924 ई. को समस्तीपुर जिले के पितौंझिया गाँव (कर्पूरी ग्राम) में हुआ था। भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान उन्होंने 26 महीने जेल में बिताये थे। वह 22 दिसम्बर, 1970 से 2 जून, 1971 तथा 24 जून, 1977 से 21 अप्रैल, 1979 ई. के दौरान दो बार बिहार के मुख्यमंत्री पद पर रहे। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने पिछड़ों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया। किसान, मजदूरों, शोषित, दलित और पिछड़ों के हक की लड़ाई को इन्होंने बहुत आगे बढ़ाया। इन्होंने बिहार में सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ी और इसमें सफल हुए। अपने इन्हीं गुणों एवं सेवा–भाव के कारण ये बिहार के जन–जन के नेता हो गये। इन्होंने अपने जीवन काल में जनता के लिए आगे बढ़कर कार्य किया इसलिए इन्हें 'जननायक' कहा गया। इन्हें सर्वोच्च भारतीय सम्मान 'भारत रत्न' से भी सम्मानित किया गया है।
   - **संदर्भ:** हिन्दी के शिक्षक **किसलय भाग 3, पाठ 19** के संदर्भ में बच्चों को कर्पूरी ठाकुर की जीवनी के बारे में बच्चों को बतायें।
2. **राष्ट्रीय बालिका दिवस**– राष्ट्रीय बालिका दिवस पहली बार वर्ष 2008 में महिला और बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की गई थी। लड़कियों के अधिकारों, शिक्षा के महत्त्व, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देना, कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के बारे में लोगों को जागरूक करना आदि के उद्देश्य से केन्द्र सरकार ने वर्ष 2009 से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को राष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया।
   - **क्या करें?** इस अवसर पर लड़कियों को घरेलू हिंसा से बचाव, उनके अधिकार, कन्या भ्रूण हत्या पर रोक, बाल विवाह, लड़कियों से छेड़छाड़ व दहेज उत्पीड़न जैसी समस्याओं तथा किशोरियों को सशक्त बनाने संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन करें।
   - **संदर्भ: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन भाग 2, पाठ 4–5** के संदर्भ में अथवा **सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के अंतर्गत चतुर्थ शनिवार के विषय** के आलोक में बच्चों से चर्चा करें।
3. **राष्ट्रगान का अंगीकार**– संविधान सभा के बारहवें तथा अंतिम सत्र के अंतिम दिन दिन 24 जनवरी, 1950 ई0 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर द्वारा रचित 'जन–गण–मन' को भारत के गणतंत्र के राष्ट्रगान के रूप में स्वीकार किया।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** आज आप बच्चों को राष्ट्रगान के महत्व, इसकी उत्पति की कहानी, राष्ट्रगान के समय नियम आदि के बारे में बच्चों को जानकारी प्रदान करें। आज आप राष्ट्रगान गायन का प्रैक्टिस भी कर सकते हैं।
   - **संदर्भ: पर्यावरण और हम भाग 2, पाठ 22** के संदर्भ में चर्चा करें।
4. **उत्तर प्रदेश दिवस**– 24 जनवरी 1950 को 'यूनाइटेड प्रॉविन्सेज ऑफ आगरा एंड अवध' का नाम बदलकर 'उत्तर प्रदेश' रखा गया था। इसलिए 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ है। क्षेत्रफल की दृष्टि के आधार पर चौथा सबसे बड़ा राज्य है। राज्य के उत्तर में उत्तराखण्ड तथा हिमाचल प्रदेश, पश्चिम में हरियाणा, दिल्ली तथा राजस्थान, दक्षिण में मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ और पूर्व में बिहार तथा झारखंड राज्य स्थित हैं।
5. **तारीफ दिवस (काम्प्लिमेंट डे)**– अमेरिका में आज नेशनल काम्प्लिमेंट डे मनाया जाता है। इसकी शुरूआत सन् 1998 में हुई थी। इस दिवस को मनाने की परंम्परा हाप किंटन के कैम्बेर्लिन एवं काउवर्ड के डेवीहाफमैन ने शुरू किया था।

website: https://www.teachersofbihar.org/publication/diwasgyan https://www.teachersofbihar.org/publication/gyandrishti

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

25 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार 25 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"शिक्षा की जड़ें कड़वी होती है, लेकिन फल बहुत ही मीठा होता है।"

– अरस्तु

"The roots of education are bitter but the fruit is sweet."

-Aristotle

आज के दिन

1565– तेल्लीकोटा की लड़ाई में विजयनगर साम्राज्य नष्ट हुआ।

1880– प्रसिद्ध समाज सुधारक केशवचन्द्र सेन ने ब्रह्मसमाज में ईसाई एवं वैष्णव भक्ति को अंगीकार करके नवविधान या भारतीय ब्रह्मसमाज की शुरूआत की।

1924– फ्रांस के शैमॉनिक्स में पहले शीतकालीन ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ।

1971– एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट का प्रारंभ हुआ। यह इंग्लैंड ओर ऑस्ट्रेलिया के बीच मेलबॉर्न (ऑस्ट्रेलिया) में खेला गया था।

2002– अर्जुन सिंह भारतीय वायु सेना के पहले 'एयर मार्शल' बने।

1. **राष्ट्रीय मतदाता दिवस**– भारत निर्वाचन आयोग आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 ई. को की गई थी। इसके मनाए जाने के पीछे निर्वाचन आयोग का उद्देश्य था कि देश भर के सभी मतदान केन्द्र वाले क्षेत्रों में प्रत्येक वर्ष उन सभी पात्र मतदाताओं की पहचान की जाएगी, जिनकी उम्र 18 वर्ष हो चुकी होगी। इस सिलसिले में 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र के नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में दर्ज किए जाएँगे और उन्हें निर्वाचन फोटो पहचान पत्र सौंपे जाएँगे। इस प्रकार, मतदान की प्रक्रिया में भारतीय नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने और उन्हें सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक बनाने का लक्ष्य है।

   वर्ष 1950 में स्थापित चुनाव आयोग के 61वें स्थापना वर्ष पर 25 जनवरी, 2011 को तत्कालीन राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने का शुभारंभ किया था। तब से लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है।

   - **संदर्भ: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन भाग 1 अध्याय 6 तथा सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन भाग 2, अध्याय 1** के संदर्भ में।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों से चर्चा करें कि मतदाता सूची क्या होती है? मतदान करना क्यों जरूरी है। बच्चों को अपने अभिभावकों को मतदान करने के लिए जागरूक करने के लिए प्रभात फेरी, नारा लेखन कार्यक्रमों का आयोजन करें।

2. **राष्ट्रीय पर्यटन दिवस**– राष्ट्रीय पर्यटन दिवस प्रतिवर्ष 25 जनवरी को मनाया जाता है। यह दिवस देश की अर्थव्यवस्था में पर्यटन की महत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए किया जाता है।

3. **हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा**– 1950 ई. में हिमाचल प्रदेश को केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था। वर्ष 1971 में हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम–1971' के अन्तर्गत 25 जनवरी, 1971 ई. को भारत का अठारहवां पूर्ण राज्य बना दिया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री मति इंदिरा गांधी ने शिमला आकर भारी बर्फबारी के बीच हिमाचलवासियों के समक्ष हिमाचल प्रदेश का 18वें राज्य के रूप में उद्घाटन किया था। यशवंत सिंह परमार यहाँ के प्रथम मुख्यमंत्री चुने गए। उन्हें 'हिमाचल प्रदेश के निर्माता' के रूप में भी जाना जाता है। हिमाचल का शाब्दिक अर्थ है 'बर्फीले पहाड़ों का अंचल'। हिमाचल प्रदेश को 'देवभूमि' भी कहा जाता है। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला है। हिमाचल के उत्तर में जम्मू कश्मीर, दक्षिण–पश्चिम में पंजाब, दक्षिण में हरियाणा और उत्तर प्रदेश एवं पूर्व में तिब्बत है। हिमाचल का राजकीय पशु हिमतेंदुआ, राज्य तितली ब्लू मोरमॉन और राजभाषा हिंदी, पहाड़ी एवं डोगरी है।

   - **क्या आप जानते हैं?** हिमाचल अपना स्थापना दिवस 15 अप्रैल को मनाता है।

4. **गणतंत्र दिवस की तैयारी**– आज आप अपने विद्यालय और आस–पास के क्षेत्रों में सफाई कार्यक्रम का आयोजन करें। अपने विद्यालय में गणतंत्र दिवस की पूर्व तैयारी कर लें। आज शाम को आप गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का संदेश भी दूरदर्शन, रेडियो पर देख–सुन सकते हैं।

   - **संदर्भ:** संस्कृत की पाठ्यपुस्तक **'अमृता' भाग 2, अध्याय 4, पृष्ठ 36** से जोडकर बच्चों को बतायें।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

26 जनवरी

Gyan Drishti
Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार 26 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"खुद की तरक्की में इतना वक्त लगा दो कि दूसरे की बुराई करने का वक्त ही ना मिले।"

आज के दिन

1823– वैज्ञानिक एडवर्ड जेनर का निधन।

1950– स्वतंत्र भारत के पहले और अंतिम गवनर जनरल सी. राजगोपालचारी ने अपने पद से इस्तीफा दिया और डॉ. राजेन्द्र प्रसाद देश के पहले राष्टपति हुए।

1950– उत्तर प्रदेश के सारनाथ स्थित अशोक स्तम्भ क शेरों को राष्टोय प्रतीक की मान्यता मिली।

1950– वर्ष 1937में गठित भारतीय संघीय न्यायालय (फेडरल कोर्ट आफ इंडिया) का नाम सर्वोच्च न्यायालय कर दिया गया।

1963– मोर को राष्टोय पक्षी घोषित किया गया।

1972– युद्ध में शहीद सैनिकों की स्मति में दिल्ली के इंडिया गेट पर 'अमर जवान राष्टोय स्मारक' की स्थापना की गई।

1982– भारतीय रेल ने 'पैलेस ऑन व्हीलस' सेवा शुरू की।

2001– गुजरात के भुज में 7.7 तीव्रता का भीषण भूकम्प आया जिसमें लाखों लोग मारे गये थे।

1. **भारतीय गणतंत्र दिवस**– 26 जनवरी, 1950 ई. को भारत में गणतंत्र की स्थापना की गई थी। इसी दिन 1950 ई. को भारत सरकार अधिनियम 1935 को हटाकर भारत का संविधान लागू किया गया था। 26 जनवरी को इसलिए चुना गया था क्योंकि इसी दिन 1930 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने भारत को पूर्ण स्वराज घोषित किया था। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा दिल्ली के लाल किले पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा को फहराया जाता है।
   - **क्या करें?** इस अवसर पर बच्चों को भारतीय गणतंत्र की कहानी बतायें। बच्चों के साथ गणतंत्र का महत्त्व, मूलभूत अधिकार और कर्त्तव्यों की चर्चा करें। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करें। संभव हो तो बच्चों को राष्ट्रपति के संबोधन को सुनायें एवं परेड तथा झाँकी को दिखलायें।
2. **राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार**– राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार बहादुर बच्चों को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रदान किये जाते हैं। राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार वैसे बच्चों को दिये जाते हैं जिन्होंने अपने जान की परवाह न करते हुए किसी की जान बचायी हो या अद्म्य साहस का परिचय दिया हो। भारतीय बाल कल्याण परिषद् ने वर्ष 1957 में ये पुरस्कार प्रारंभ किये थे। पुरस्कार के रूप में एक पदक, प्रमाण पत्र और नकद राशि दी जाती है। सभी बच्चों को पढ़ाई पूरी करने तक वित्तीय सहायता भी दी जाती है। 26 जनवरी के दिन ये बहादुर बच्चे हाथी पर सवारी करते हुए गणतंत्र दिवस परेड में सम्मिलित होते हैं।
   - **क्या आप जानते हैं?** सबसे पहला राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार हरीशचंद्र मेहरा को प्रदान किया गया था। 2 अक्टूबर, 1957 ई. को दिल्ली के रामलीला मैदान में रामलीला के दौरान शमियाने में आग लग गई। 14 साल एक बालक हरीश मेहता ने अपनी जान की परवाह किए बगैर पंडित नेहरू और तमाम दूसरे गणमान्य नागरिकों को एक बड़े हादसे से बचाया था।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार के बारे में बच्चों को बतायें।
3. **अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस**– विश्व सीमा शुल्क संगठन की स्थापना 26 जनवरी, 1952 को ब्रुसेल्स मे हुई थी। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य संपूर्ण विश्व में सीमा शुल्क प्रशासनों की प्रभावशीलता एवं कार्य क्षमता में वृद्धि लाना है। इस उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 26 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस मनाया जाता है।
4. **औरंगाबाद जिला स्थापना दिवस**– औरंगाबाद जिला बिहार के दक्षिणी भाग में सोन नदी के पूर्वी तट पर स्थित है। इसे 'बिहार का चित्तौड़गढ़' भी कहा जाता है। औरंगाबाद जिला की स्थापना 19 जनवरी, 1973 ई. (सरकारी अधिसूचना संख्या 07/11– 2071–72 दिनांक 19 जनवरी, 1973) को गया जिले से अलग किया गया था। वर्ष 2009 से इस जिले की स्थापना दिवस 26 जनवरी को मनाने की पहल शुरू की गई थी। के.ए.एच. सुब्रमण्यम इस जिले के पहले जिलाधिकारी और सुरजीत कुमार साहा पहले सब–डिविजनल पदाधिकारी नियुक्त किये गये थे। यह पूरब में गया, पश्चिम में रोहतास, उत्तर में अरवल जिला और दक्षिण में झारखंड के साथ सीमा बनाती है।
5. **नवादा जिला स्थापना दिवस**– 26 जनवरी, 1973 को गया जिले को विभाजित कर नवादा जिला की भी स्थापना की गई थी। नवादा जिले का क्षेत्रफल 2,494 वर्ग किलोमीटर है। नवादा जिला प्रशासनिक दृष्टि से 2 अनुमंडलों और 14 प्रखंडों में बँटा हुआ है। नवादा के उत्तर में नालंदा, दक्षिण में झारखंड का कोडरमा जिला, पूरब में शेखपुरा एवं जमुई तथा पश्चिम में गया जिला है।

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

27 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, सोमवार 27 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"दूसरों के अनुभव से लाभ उठाने वाला बुद्धिमान होता है।"

–स्वामी विवेकानन्द

"It is wise to take advantage of others experience."

-Swami Vivekanand

आज के दिन

1880– थॉमस अल्वा एडिसन ने बिजली से जलने वाली बल्ब का पेटेंट करवाया।

1900– जर्मन शोधकर्ता फेलिक्स हॉफमन ने पहली बार दर्द की दवा बनाई। इस दवा को इस समय 'एस्प्रिन' कहा जाता था।

1926– स्कॉटिश वैज्ञानिक जॉन लॉगी बेयर्ड ने टेलीविजन को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया इसे उस समय 'टेलीवाइजर' का नाम दिया गया था।

1959– नई दिल्ली में पहले इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज की आधारशिला रखी गई।

1967– 'अपोलो–I' दुर्घटना में तीन अंतरिक्ष यात्रियों की मौत। 2009– भारत के आर्थिक आठवें राष्ट्रपति आर वेंकटरमन का निधन।

1. **एडीसन द्वारा बल्ब का पेटेंट**– महान आविष्कारक थॉमस अल्वा एडिसन ने 27 जनवरी, 1880 को इलेक्ट्रिक बल्ब को पेटेंट कराया था। 1869 ई. में एडिसन ने अपने सर्वप्रथम आविष्कार 'विद्युत मतदानगणक' को पेटेंट कराया। नौकरी छोड़कर प्रयोगशाला में आविष्कार करने का निश्चय कर निर्धन एडिसन ने अदम्य आत्मविश्वास का परिचय दिया। 1870–76 ई. के बीच एडिसन ने अनेक आविष्कार किए। एक ही तार पर चार, छह, संदेश अलग अलग भेजने की विधि खोजी, स्टॉक एक्सचेंज के लिए तार छापने की स्वचालित मशीन को सुधारा, तथा बेल टेलीफोन यंत्र का विकास किया। उन्होंने 1875 ई. में 'सायंटिफिक अमेरिकन' में 'ईथरीय बल' पर खोजपूर्ण लेख प्रकाशित किया। 1878 ई. में फोनोग्राफ मशीन पेटेंट कराई जिसकी 2010 ई. में अनेक सुधारों के बाद वर्तमान रूप मिला।
   - संदर्भ: विज्ञान भाग 1 पाठ 14, पृष्ठ 163–164 के संदर्भ में बच्चों को बतायें।
2. **अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मरण दिवस**– होलोकास्ट के पीड़ितों की याद में अंतर्राष्ट्रीय प्रलय स्मरण दिवस प्रतिवर्ष 27 जनवरी को मनाया जाता है। नवम्बर 2005 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने आधिकारिक तौर पर 27 जनवरी को प्रलय पीड़ितो की याद में यह दिवस मनाने की घोषणा किया। हिटलर और उसकी राक्षसी गतिविधियों का एक उदाहरण है होलोकास्ट– वर्ष 1933 से 1945 तक यूरोपीय यहूदियों का सामूहिक उत्पीड़न और विनाश किया गया। यह ऑटोमन साम्राज्य में 20वीं शताब्दी के शुरूआती दिनों मे अर्मेनियाई लोगों के नरसंहार से जुड़ा है।

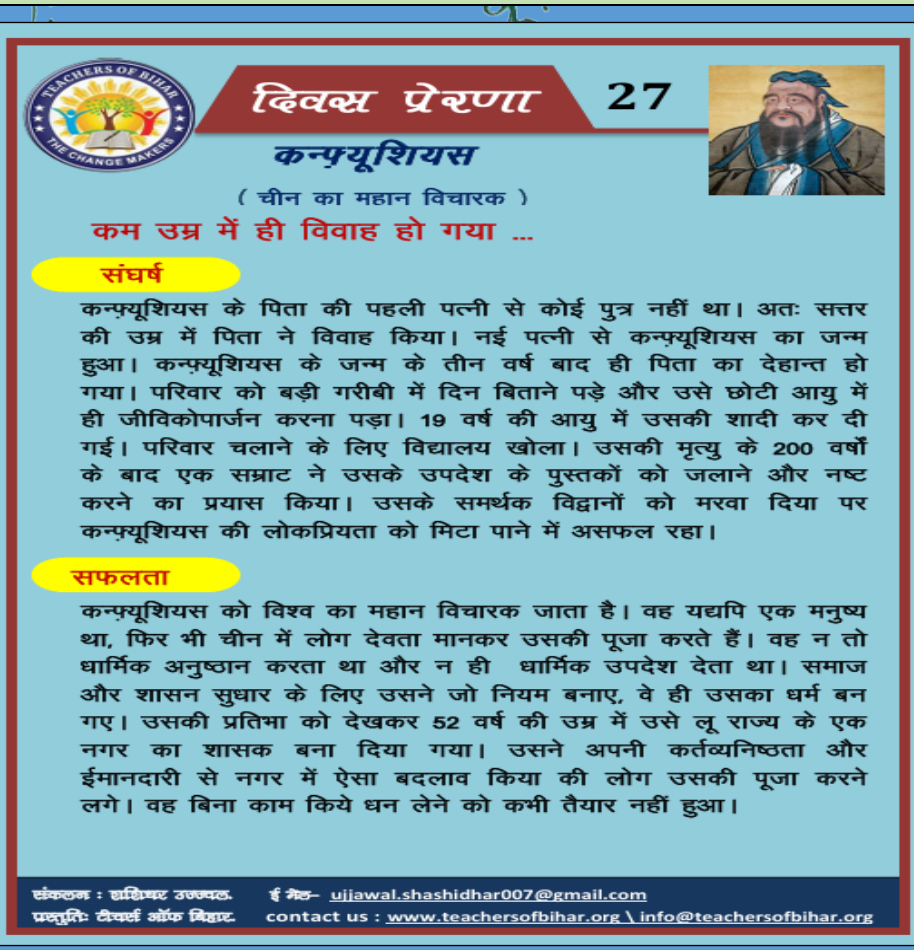

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

28 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी तिथि, मंगलवार 28 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अनुभव ही आपका सर्वोत्तम शिक्षक है। जब तक जीवन है सीखते रहो।"

आज के दिन

1835– कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की शुरूआत हुई।
1887– फ्रांस की राजधानी पेरिस में एफिल टावर का निर्माण शुरू हुआ।
1898– सिस्टर निवेदिता का भारत आगमन हुआ।
1899– सेना के प्रथम भारतीय सेनाध्यक्ष के. एम. करिअप्पुमन कल्याणपुर पा का जन्म।
1926 – हिन्दी के प्रसिद्ध साहित्यकार, सफल सम्पादक, संस्कृत के प्रकाण्ड विद्वान् और जानेमाने भाषाविद विद्यानिवास मिश्र का जन्म
1930– 'भारतीय शास्त्रीय संगीत' के विश्वविख्यात गायक पंडित जसराज का जन्म
1933– कैंब्रिज विश्वविद्यालय के छात्र चौधरी रहमत अली ने पहली बार भारत के मुस्लिम बहुल राज्यों को 'पाकिस्तान' नाम दिया।
1950– जस्टिस हीरालाल जी कानिया उच्चतम न्यायालय के प्रथम न्यायाधीश बन।
1998– 'राजीव गांधी हत्याकांड' में 26 अभियुक्तों को मृत्युदंड।

1. **लाला लाजपत राय का जन्म**– 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय का जन्म 28 जनवरी, 1865 ई. को पंजाब के मोगा जिले में हुआ था। इन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की स्थापना भी किया था। सन् 1928 में साइमन कमीशन के विरूद्ध हुए प्रदर्शन के दौरान लाठी चार्ज में बहुत बुरी तरह से घायल हो गये और 17 नवम्बर, 1928 ई. को इनकी मृत्यु हो गई। लाला लाजपतराय को 'शेर–ए–पंजाब' का सम्मानित संबोधन देकर लोग उन्हें गरम दल का नेता मानते थे। बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल के साथ इस त्रिमूर्ति को 'लाल–बाल–पाल' के नाम से जाना जाता था। इन्हीं तीनों नेताओं ने सबसे पहले भारत में पूर्ण स्वतन्त्रता की माँग की थी। बाद में समूचा देश इनके साथ हो गया।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इतिहास के शिक्षक बच्चों को लाला लाजपत राय के जीवनी के बारे में बतायें।

2. **डाटा संरक्षण दिवस**– डाटा की गोपनीयता और संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 28 जनवरी को डाटा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। यह वर्तमान में अमेरिका, इजरायल, कनाडा सहित 47 यूरोपीय देशों में मनाया जाता है। इसे 14 अप्रैल, 2016 को यूरोपीय संसद और यूरोपीय संघ की परिषद् ने अपनाया था तथा वर्ष 2018 में ब्रिटेन ने शाही अनुमति प्रदान कर दी।

DIWAS GYAN

दिवस प्रेरणा 28

टॉलस्टाय

(महान रूसी लेखक)

अध्यापक उसे एकदम जड़बुद्धि समझते थे ...

संघर्ष

टॉलस्टाय का जन्म एक धनी परिवार में हुआ था। बचपन में उसके अध्यापक उसे एकदम जडबुद्धि समझते थे और उसके मस्तिष्क में अपनी कुछ भी विद्या पहुंचा पाने में स्वयं को असमर्थ अनुभव करते थे। यौवन के दिनों में विलासिता पूर्ण जीवन व्यतीत किया। मद्य और मांस का सेवन, व्याभिचार जैसे सभी प्रकार के दुष्कर्म किये। शानदार और महंगे वस्त्र पहना करता था। लेकिन जीवन के पिछले हिस्से में उसे वैराग्य उत्पन्न हो गया और गरीबी का जीवन बिताना पड़ा। बुढ़ापे में अपना कमरा स्वयं बुहारते, अपना बिस्तर खुद बिछाता और बर्तन भी खुद धोते थे। पत्नी को विलासिता पूर्ण जीवन पसंद था जबकि टॉलस्टाय को लगता की धन बटोरना पाप है, इसलिये पत्नी हमेशा उनसे लड़ते रहती थी। पति–पत्नी के बीच इतनी कटुता बढ़ गयी की जीवन के अंतिम छण में पत्नी का चेहरा भी देखना पसंद नहीं किया और एक रेलवे स्टेशन पर प्राण त्याग दिये।

सफलता

रूस के महान उपन्यासकारों में उनकी गिनती की जाती है। उनकी उपन्यास 'युद्ध और शान्ति' और 'अन्ना कैरेनिना' विश्व साहित्य की अमर निधि है। इनके कारण टॉलस्टाय को इतना यश मिला जितना कि रूस के महान सम्राट को भी नहीं मिला। इनके विचारों के विषय में 20,000 से भी अधिक पुस्तकें लिखी जा चुकी है। जीवन के अंतिम दिनों में टॉलस्टाय को एक संत माना गया।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल. ई मेल– ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार. contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

29 जनवरी

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, कृष्ण पक्ष, अमावस्या तिथि, बुधवार 29 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"कभी पीठ पीछे आपकी बात चले तो घबराना मत क्योंकि बात उन्हीं की होती है जिनमें कोई बात होती है।"

आज के दिन

1528– भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर ने मेवाड के राजा राणा सांगा को हराकर चंदेरी के किले पर कब्जा किया।

1780– देश के पहले समाचार पत्र हिक्की गजट या बंगाल गजट या कलकत्ता जनरल एडवरटाइजर का कोलकाता से प्रकाशन आरंभ हुआ। अंग्रेजी भाषा के इस समाचार पत्र के संपादक जेम्स आगस्टस हिक्की थे।

1814– फ्रांस ने रूस तथा प्रसा को ब्रियेन के युद्ध में हराया।

1939– रामकृष्ण मिशन सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना की गई।

1953– संगीत नाटक अकादमी की स्थापना।

1979– भारत को सबसे पहलो जंबो ट्रेन (दो इंजन वाली) तमिलनाडु एक्सप्रेस को नयी दिल्ली स्टेशन से झंडी दिखाकर चेन्नई के लिए रवाना किया गया।

1. **महाराणा प्रताप का निधन**– मेवाड़ के सिसोदिया राजवंश के महान हिन्दू शासक महाराणा प्रताप का 29 जनवरी, 1597 ई. को निधन हुआ था। इतिहास के पन्नों में अपनी वीरता और दृढ़ प्रण के लिए अमर हैं। उन्होंने मुगलों कई बार युद्ध में हराया। कई सालों तक संघर्ष के बाद भी 1576 ई. में हल्दीघाटी के युद्ध में मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार नहीं की। अपने निर्वासन काल में महाराणा प्रताप ने जंगलों में जंगली जामून खाते थे, शिकार करते थे और मछलियां पकड़ते थे। बारह वर्षों की लंबी अवधि के बाद सन् 1585 में मेवाड़ को पुनः मुक्त कराने में सफल हुए। 1597 ई. में उनकी नई राजधानी चावंड में उनकी मृत्यु हो गई।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इस अवसर पर बच्चों को महाराणा प्रताप की वीरता की कहानियां सुनाएं।
2. **बीटिंग द रिट्रीट**– बीटिंग द रिट्रीट भारत के गणतंत्र दिवस समारोह की समाप्ति का सूचक है। इस कार्यक्रम में थल सेना, वायु सेना और नौ सेना के बैंड पारंपरिक धुन के साथ मार्च करते हैं। यह सेना के बैरक वापसी का संकेत है। गणतंत्र दिवस के पश्चात् प्रति वर्ष 29 जनवरी की शाम को बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को दूरदर्शन पर बीटिंग द रिट्रीट कार्यक्रम का प्रसारण देखने को प्रेरित करें।
3. **भारत का पहला समाचार पत्र**– भारत का पहला समाचार पत्र अंग्रेजी में 'हिकीज बंगाल गज़ट' के नाम से 29 जनवरी, 1780 ई. को प्रकाशित हुआ था। 'हिक्की गज़ट', 'बंगाल गज़ट' या 'कलकत्ता जनरल एडवाइजर' का कोलकाता से प्रकाशन हुआ था। इस पत्र के सम्पादक 'जेम्स ऑगस्टस हिक्की' थे। पहली बार हमारे देश में सही मायने में कोई अखबार छपा था। इस अखबार के माध्यम से ईस्ट इंडिया कम्पनी में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाया जाने लगा। उस समय यह अखबार मात्र चार पन्नों का हुआ करता था। ईस्ट इंडिया कम्पनी ने अखबार पर कठिन सेंसरशिप, आरोप और प्रतिबंध लगाने शुरू कर दिए। द बंगाल गजट को आर्थिक और राजनीतिक के अलावा कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। हिकी पर कई मुकदमें दर्ज हुए। उन्हें अप्रत्याशित आर्थिक दंड दिया गया, जेल भी हुआ। परिणामतः द बंगाल गजट ज्यादा समय तक नहीं चल पाया। परंतु इस अखबार ने भारतीय पत्रकारिता को एक नया रास्ता दिखाया।
4. **फ्रो थिंकर्स डे** – अमेरिका में 29 जनवरी को 'कॉमन सेंस' के रचनाकार थॉमस पैन के जन्मदिन पर फ्री थिंकर्स डे मनाया जाता है। पैन ने इस रचना में अमेरिकी उपनिवेशों की वकालत की थी।
5. **चंदेरी का युद्ध**– 29 जनवरी, 1528 ई. को चंदेरी का युद्ध लड़ा गया। खानवा के युद्ध (1527ई.) के पश्चात् राजपूतों की शक्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हुई थी। बाबर राजपूतों की शक्तियों को पूर्ण रूप से समाप्त करना चाहता था ताकि वे उसके विरुद्ध दुबारा न खड़े हो पायें। खानवा के युद्ध में मालवा के राजा मेदिनी राय ने राणा सांगा का साथ दिया था। बाबर ने मेदिनी राय से अपनी अधीनता स्वीकार करने के लिए कहा जिसे मेदिनी राय ने अस्वीकार कर दिया। इसलिए शेष राजपूतों को खत्म करने के लिए बाबर ने चंदेरी का युद्ध लड़ा। इस युद्ध मे मेदिनी राय की पराजय हो गयी। इस युद्ध के पश्चात् कोई राजपूत शासक बाबर से युद्ध करने को नहीं बचा। मेदिनी राय ने अपनी हार के साथ बाबर की अधीनता स्वीकार कर ली। इस युद्ध को जीतने के बाद बाबर के हाथ कुछ नहीं लगा, जिसके कारण बाबर ने इस किले का विध्वंश करा दिया। युद्धोपरांत राजपूतों को बहुत बर्बरता के साथ मौत के घाट उतार दिया गया। चंदेरी की राजपूत महिलाओं ने सामूहिक जौहर कर लिया था। यह महिलाओं द्वारा किया बहुत बड़ा जौहर था।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

30 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा तिथि, गुरूवार 30 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"अध्यापक मार्गदर्शक का कार्य करते हैं, चलना आपको स्वयं पड़ता है।"

DIWAS GYAN

आज के दिन

1913– भारतीय महिला चित्रकार अमृता शेरगिल का जन्म।

1882– संयुक्त राज्य अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट का जन्म

1968– भारत के प्रसिद्ध हिन्दी साहित्यकार माखन लाल चतुर्वेदी का निधन।

1985– दल–बदल विरोधी कानून पारित हुआ।

1948– भारत के राष्टपिता महात्मा गांधी की दिल्ली में हत्या।

1930– 'यंग इण्डिया' अखबार के माध्यम से महात्मा गांधी ने लार्ड इरविन के समक्ष 11–सूत्री मांग रखी।

1933– एडोल्फ हिटलर ने आधिकारिक रूप से जर्मनी के चांसलर की कमान संभाली।

1. **शहीद दिवस/बलिदान दिवस/सर्वोदय दिवस**– 30 जनवरी, 1948 ई. शुक्रवार का दिन था। शाम पाँच बजे महात्मा गाँधी अपनी दो पोतियों कुमारी इंद्र बहन गांधी तथा आभा बहन गाँधी के साथ प्रार्थना सभा के लिए बिरला मंदिर जा रहे थे। उसी वक्त नाथुराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी। इस तिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। बापू की स्मारक राजघाट, दिल्ली में इस अवसर पर वि'ोष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।
   - **क्या करें?** आज आप भी विद्यालय में बापू की पुण्यतिथि पर मौन रखकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर सकते है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इस अवसर पर इतिहास के शिक्षक बच्चों को गांधी जी की प्रमुख सिद्धांतों, संदेशों और अंतिम दिनों की कहानियां सुनायें।
   - **बच्चों को क्या दिखायें?** संभव हो तो बेन किंग्स्ले की फिल्म 'गांधी' बच्चों को दिखलायें।
2. **जयशंकर प्रसाद का जन्म**– छायावादी युग के प्रमुख कवि जयशंकर प्रसाद का जन्म 30 जनवरी, 1889 ई. को वाराणसी में हुआ था। जयशंकर प्रसाद हिन्दी के प्रसिद्ध कवि, नाटककार, उपन्यासकार तथा निबन्धकार थे। उनकी प्रमुख रचनाओं कामायनी, ध्रुवस्वामिनी, कंकाल प्रमुख है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को जयशंकर प्रसाद के बारे में बतायें। 'अरूण यह मधुमय दे'ा हमारा', 'बीती विभावरी जाग री', 'भारत महिमा', अथवा 'हिमाद्री तुंग श्रृंग से', कविता का सस्वर वाचन कर सकते हैं।
3. **कुष्ठ निवारण दिवस**– राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 30 जनवरी को कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रपति महात्मा गांधी द्वारा कुष्ठ रोगियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए किए गए प्रयासों की वजह से प्रति वर्ष 30 जनवरी को उनकी पुण्य तिथि पर कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया जाता है। कुष्ठ रोग का पूर्णतः उपचार संभव संभव नहीं है। वहीं कुष्ठ रोग के इलाज में देरी से विकलांगता हो सकती है। कुष्ठ रोगियों के स्पर्श से कुष्ठ नहीं होता है।
4. **चिदम्बरम सुब्रह्मण्यम का जन्म**– चिदम्बरम सुब्रह्मण्यम भारत में "हरित क्रांति के पिता" कहे जाते हैं। उनका जन्म 30 जनवरी, 1910 को कोयम्बटूर ज़िले के 'पोलाची' नामक स्थान पर हुआ था। उन्होंने प्रेसीडेंसी कॉलेज, मद्रास से बी.एस.सी की डिग्री प्राप्त की। भारत की आज़ादी के बाद देश में खाद्यान्न उत्पादन की स्थिति बड़ी सोचनीय थी। कई स्थानों पर अकाल पड़े। बंगाल, बिहार तथा उड़ीसा में अनेक लोग भूखमरी के शिकार हुए। जब सी. सुब्रह्मण्यम को केन्द्र में कृषि मंत्री बनाया गया, तब उन्होंने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएँ क्रियान्वित कीं। उनकी बेहतर कृषि नीतियों के कारण ही 1972 में देश में रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन हुआ। सी. सुब्रह्मण्यम की नीतियों और कुशल प्रयासों से ही आज देश खाद्यान्न उत्पादन में पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर हो चुका है।
5. **विश्व उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग दिवस**– प्रतिवर्ष 30 जनवरी को उपेक्षित उष्णकटिबंधीय रोग दिवस (NTD) मनाया जाता है। इसे 74वीं विश्व स्वास्थ्य सभा (2021) में घोषित किया गया था। इस दिन को मान्यता देने का प्रस्ताव संयुक्त अरब अमीरात द्वारा प्रस्तुत किया गया था। NTD संक्रमण का एक समूह है जो अफ्रीका, एशिया और अमेरिका के विकासशील क्षेत्रों में सबसे सामान्य है। ये रोग विभिन्न प्रकार के रोगजनकों जैसे– वायरस, बैक्टीरिया, प्रोटोजोआ और परजीवी के कारण होते हैं। NTD विशेष रूप से उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है, जहाँ लोगों के पास स्वच्छ पानी या मानव अपशिष्ट के निपटान के सुरक्षित तरीकों तक पहुँच नहीं है। NTD के उदाहरण हैं– सर्पदंश का जहर, खुजली, जम्हाई, ट्रेकोमा, लीशमैनियासिस और चगास रोग आदि।

Teachers of Bihar
The Change Makers
Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

31 जनवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, द्वितीया तिथि, शुक्रवार 31 जनवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"खुश होकर काम किया तो खुशी और सफलता दोनों मिलेगी।"

DIWAS GYAN

आज के दिन

1561– मुगल बादशाह अकबर के संरक्षक बैरम खां की गुजरात के पाटण में हत्या कर दी गई।

1893– कोकाकोला टडमार्क का अमेरिका में पहली बार पेटेंट कराया गया। इसे दुनिया के सबसे महंगे टडमार्क में गिना जाता है।

1915– प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने रूस के खिलाफ जहरीली गैस का इस्तेमाल किया।

1958– अमेरिका ने 'एक्सप्लोरर–1' नामक अंतरिक्ष प्रक्षेपित किया। इसके द्वारा पृथ्वी के ऊपर विद्यमान चुम्बकीय क्षेत्र एवं पृथ्वी पर उसके प्रभावों का अध्ययन किया गया।

1961– अमेरिका ने जीवित प्राणियों का अध्ययन करने के लिए एक चियांगी को अंतरिक्ष में भेजा।

1. **श्री कृष्ण सिंह स्मृति दिवस**– 31 जनवरी, 1961 ई. को 'बिहार केसरी' श्री कृष्ण सिंह का निधन हुआ था। वे बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री (1946–1961) और महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्हें 'आधुनिक बिहार के निर्माता' भी कहा जाता है।

   कृष्ण सिंह का जन्म 21 अक्टूबर, 1887, मुंगेर जिला के बरबीघा थाना अंतर्गत माउर गाँव में हुआ था। उनके पिता का नाम हरिहर सिंह था। इन्होंने कोलकाता विश्वविद्यालय से एम.ए. और कानून की डिग्री ली। कुछ समय तक बी.एन. कॉलेज पटना में इतिहास विभाग में व्याख्याता के रूप में कार्य करने के पश्चात मुंगेर में वकालत करने लगे। किंतु गाँधी जी द्वारा असहयोग आंदोलन आरंभ करने पर इन्होंने वकालत छोड़ दी और शेष जीवन सार्वजानिक कार्यों में ही लगाया। साइमन कमीशन के बहिष्कार और नमक सत्याग्रह में भाग लेने पर ये गिरफ्तार भी किए गए।

   उनके मुख्यमंत्रीत्व काल में आजाद भारत की पहली रिफाइनरी– बरौनी ऑयल रिफाइनरी, आजाद भारत का प्रथम खाद कारखाना–सिन्दरी व बरौनी रासायनिक कारखाना, पुसा कृषि विश्वविद्यालय, प्रथम रेल सह सड़क पुल–राजेन्द्र पुल आदि की स्थापना की गई। बिहार, भारत का पहला राज्य था, जहाँ सबसे पहले उनके नेतृत्व में जमींदारी प्रथा का उन्मूलन उनके मुख्यमंत्रीत्वकाल में हुआ।

   - **बच्चों को क्या बतायें?** बच्चों को श्री कृष्ण सिंह के बारे में बतायें।

2. **नौरू एक स्वाधीन गणतंत्र बना**– नौरू ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप में स्थित एक एक छोटा अंडाकार प्रवाल द्वीप है जिसका क्षेत्रफल मात्र 21.3 वर्ग किलोमीटर है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने नौरू पर कब्जा कर लिया। यहाँ के नागरिकों को जर्मनी द्वारा बंधुआ मजदूर बना लिया गया। सितम्बर, 1945 में ऑस्ट्रेलिया ने इस द्वीप पर पुनः कब्जा कर लिया। 31 जनवरी, 1946 ई. को सभी मजदूर रिहा किये गये। अक्टूबर, 1967 में नौरू की स्वतंत्रता की घोषणा की गई। 31 जनवरी, 1968 को 22वें रिहाई दिवस की स्मृति में नौरू एक स्वाधीन गणतंत्र बना। इसकी राजधानी यारेन है। यह मध्य प्रशांत महासागर में स्थित है। यहाँ फास्फेट के प्रचुर भंडार है। फास्फेट का यहाँ से बड़े पैमाने पर निर्यात होता है। नारियल तथा सब्जियों की खेती होती है।

3. **अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस**– प्रतिवर्ष 31 जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस मनाते हैं। जिससे जंगली जानवरों की सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक बना सकें। सड़क को क्रॉस करने के लिए जेब्रा क्रॉसिंग (Zebra Crossing) का आइडिया इसी जीव से लिया गया है। इसीलिए इस जीव के साथ–साथ अन्य जीवों की सुरक्षा के लिए भी अंतर्राष्ट्रीय जेब्रा दिवस (International Zebra Day) का आयोजन किया जाता है।

   हालाँकि जेब्रा विलुप्त होने की श्रेणी में नहीं है, लेकिन युनाइटेड नेशंस ने इसे वर्ष 2016 में 'संकट निकट (Near Threatened या NT) की श्रेणी में रखा है।

   जेब्रा, अफ्रीका का एक प्रमुख जीव है। काली और सफ़ेद रंग की पट्टियाँ इसे बहुत ही आकर्षक बनाती है। एक आश्चर्यजनक बात यह है कि, सभी जेब्रा के शरीर की काली और सफ़ेद पट्टियाँ आपस में नहीं मिलती है। जिस प्रकार हमारे हाथों के निशान किसी दूसरों से नहीं मिलते हैं, ठीक उसी प्रकार एक जेब्रा की पट्टियाँ, दूसरे जेब्रा से अलग होती हैं।

   जेब्रा का वैज्ञानिक नाम 'हिप्पोटिगरिस' (*Hippotigris*) है। जेब्रा मुख्य रूप से घोड़े के कुल से सम्बन्ध रखता है, जिस कारण यह घोड़े और गधे से मिलता जुलता है परन्तु उन दोनों से भिन्न है। घोड़ों और गधों को पालतू बनाया जा सकता है जबकि जेब्रा को आज तक पालतू नहीं बनाया जा सका है। इसका प्रमुख कारण यह है कि यह कठिन हालातों में बेकाबू हो जाता है।